राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 133 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये रायपुर, शनिवार 12 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, घाटों पर लोग कर रहे पूजा-अर्चना

वाराणसी। वाराणसी में मां गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़कर 65.04 मीटर तक पहुंच गया है और हर घंटे औसतन 4 सेंटीमीटर की वृद्धि हो रही है। इससे शहर के 85 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। कई घाट और उनके किनारे बने मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। इससे स्थानीय जनजीवन और धार्मिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। दशाश्वमेध और शीतला घाट पर इसका असर दिख रहा है। घाटों की सीढ़ियों तक पानी चढ़ने से गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालु सीढ़ियों पर ही पूजा-अर्चना कर रहे हैं। ग्वालियर से आए पर्यटक हर्ष श्रीवास्तव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, अस्सी घाट से पैदल घाटों तक जाना अब संभव नहीं है।

मुंबई में 2.5 करोड़ की ड्रग्स बरामद, इंजीनियर समेत दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए शहर में सक्रिय दो अलग-अलग ड्रग रैकेट्स का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई में कुल 2.5 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं, जिसमें एमडी, चरस और हेरोइन शामिल हैं। एक इंजीनियर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की आजाद मैदान यूनिट ने पहले अभियान में अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में रहने वाले एक इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर एस खान (40) को गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खान अपने फ्लैट से ड्रग्स बेचता है। इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें उसके घर से 1.25 करोड़ रुपये मूल्य की एमडी ड्रग्स और चरस तथा 18 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

पहलगाम के अपराधियों को जल्द ही मिलेगी सजा: उमर अब्दुल्ला

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आज शाम को कोलकाता पहुंचे। यानी आज पश्चिम बंगाल के सचिवालय में सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संसद के आगामी मानसून सत्र के साथ विपक्ष की रणनीतियों पर चर्चा हो सकती है। उमर अब्दुल्ला सीएम के तौर पर पहली बार बंगाल आये हैं। इससे पहले वह 2018 में कोलकाता आये थे। एयरपोर्ट में मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले पर पूछे गए।

विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को मिला वरिष्ठ प्रवर वेतनमान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उचित प्रबंधन हेतु अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008 तथा 2009 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु 30 सांख्येतर पद निर्मित कर वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी का ज्वाइंट वेंचर वंचित समुदायों के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना, अनुसूचित जाति उपयोजना आदि के अप्रयुक्त फंड का अभिसरण कर आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक

बदलाव के लिए कार्य करेगा। कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कौशल के साथ फॉरेन लैंग्वेज सिखाने का कार्य किया जाएगा। पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेन्चर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है। मंत्रिपरिषद द्वारा पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम- 1991 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 के नियम, 55 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन के फैंसी या च्वाइस नंबर को नए या किसी अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे, इसके लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करना होगा।

जनजातीय व वंचित समुदायों के लिए संयुक्त उद्यम..

मंत्रिपरिषद ने पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने को मंजूरी दी। इसके जरिए आदिवासी, गरीब, महिलाओं व तृतीय लिंग समुदाय के युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त किया जाएगा। प्रशिक्षकों को पैनआईआईटी प्रशिक्षित करेगा एवं अंतरराष्ट्रीय रोजगार हेतु फॉरेन लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी।

पुराने वाहनों पर दो बड़े फैसले..

छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन कर पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं व वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम- 1994 में संशोधन कर वाहन स्वामी अब पुराने वाहन का फैंसी या चॉइस नंबर नए या अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए शुल्क लिया जाएगा। यह नियम सरकारी वाहनों पर भी लागू होगा लेकिन उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

नेतन्याहू के नए फरमान से मचा हड़कंप

कुरान पढ़ो....इस्लाम को जानो और अरबी सीखो

नई दिल्ली। इजरायल से एक ऐसी खबर आई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। भारत के लोग भी ये समझ ही नहीं पाए कि इजरायल ने ये कैसा ऐलान कर दिया है। दरअसल, इजरायल की सेना अब इस्लाम की शिक्षा लेगी। कुरान पढ़ेगी और अरबी भाषा सीखेगी। इजरायली आर्मी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने अपने सभी खुफिया सैनिकों और अधिकारियों के लिए कुरान के अध्ययन को अनिवार्य बना दिया है। हिब्रू बोलने वाले इजरायल के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा सीखना अनिवार्य कर दिया गया है। अहम खबर यह है कि

सामने आ रही जानकारी के अनुसार, इजराइल अब कुरान और अरबी भाषा को भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेगा। इजराइली सरकारी चैनल से मिली जानकारी के अनुसार, अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा इजराइल पर एक बड़ा हमला किया गया था। ऐसा माना जा

सावन में सौहार्द की बयार

सावन के पहले दिन काशी,हरिद्वार और प्रयागराज में उमड़े श्रद्धालु-कांवड़ियों पर बरसाए गए फूल..

नई दिल्ली। पवित्र सावन महीने की शुरुआत के साथ ही देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों पर 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंज रहे हैं। भगवान शिव को समर्पित यह महीना श्रद्धा, आस्था और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर वाराणसी, हरिद्वार और प्रयागराज जैसे तीर्थस्थलों पर शुक्रवार की सुबह भक्ति, सेवा और समर्पण के अद्वितीय उदाहरण के रूप में देखी गई। हजारों शिव भक्त मंदिरों में भगवान की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने के लिए कतारों में खड़े हुए। देवभूमि हरिद्वार में 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों की गूंज है। शुक्रवार सुबह 'हर की पौड़ी' पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज से पहुंचे शिवभक्त गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और गंगाजल भरकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षिणेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। भोले बाबा की ससुराल कहे जाने वाले इस पावन धाम में भक्तों ने जलाभिषेक कर पुण्य अर्जित किया। श्रद्धालुओं का

मानना है कि सावन में यहीं से भोलेनाथ सृष्टि का संचालन करते हैं। इसी आस्था के चलते भक्त दूर-दूर से यहां दर्शन के लिए पहुंचे। हरिद्वार में प्रशासन की ओर से मंदिर में सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह पुलिस बल तैनात है, मेडिकल कैंप, जलपान केंद्र और विश्राम स्थलों की व्यवस्था से श्रद्धालुओं को राहत मिल रही है। कांवड़ यात्रा के लिए आए भक्तों का जोश देखते ही बनता है। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में दिन की शुरुआत 'मंगला आरती' के साथ हुई, जिसके बाद मंदिर के द्वार आम दर्शन के लिए खोल दिए गए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंची। उत्साह से भरे भक्त लंबी लेकिन व्यवस्थित कतारों में खड़े होकर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद पाने के लिए उत्सुक थे। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष के साथ मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

भारत के आगे नहीं चला ट्रंप का टैरिफ कॉर्ड

भारत उल्टा अब अमेरिका पर 25 प्रतिशत टैक्स ठोकने की तैयारी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच इस वक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत का अंजाम किसके पक्ष में जाएगा और क्या तय होगा। इस बात का पता तो आने वाले वक्त में चल ही जाएगा। लेकिन फिलहाल इस व्यापार समझौते को लेकर कशमकश की स्थिति स्टील और अल्यूम्यूनियम में तो खत्म हो चुकी है। भारत पहले ही कह चुका है कि स्टील और अल्युम्यूनियम पर अगर अमेरिका टैरिफ लगाता है तो भारत जवाबी कार्रवाई करेगा और भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा। भारत ने

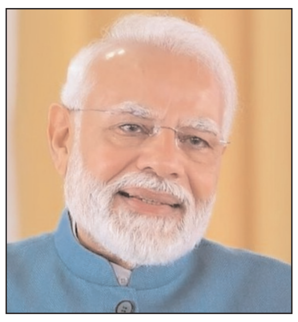

फिर एक बार इस बात को दोहराया है। व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत के बीच भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सामने ये स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अगर भारत पर स्टील और अल्यूम्यूनियम पर टैरिफ लगाता है तो भारत भी जवाबी टैरिफ लगाएगा।मतलब अमेरिका के खिलाफ भारत का स्टैंड बिल्कुल क्लीयर है। अमेरिका अगर टैरिफ लगाएगा तो भारत भी पीछे नहीं हटने वाला है। भारत का ये कदम स्टील और अल्युम्यूनियम पर अमेरिकी शुल्कों के जवाब में है, जिन्हें सुरक्षा उपायों के तौर पर लगाया गया था। वो भी ऐसे वक्त में जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। ये समय बहुत अहम है। दोनों देश एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। लेकिन स्टील और अल्युम्यूनियम पर बात बन नहीं रही है।

दोस्त को उधार में दिए थे 2,000 रुपये, वापस मांगने पर चाकू घोंपकर हत्या

नईदिल्ली। दिल्ली में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जाफराबाद इलाके में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मृतक 23 वर्षीय फरदीन है। घटना बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात 12-10 बजे उस हुई जब फरदीन ने आरोपी आदिल से अपने पैसे मांगे थे। दोनों आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी आदिल, उसके भाई कामिल और उनके पिता शकील को गिरफ्तार कर लिया है। कामिल और शकील पर उकसाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आदिल ने कुछ समय पहले फरदीन से 2,000 रुपये उधार लिए थे। उसने छोटे-मोटे खर्चों की बात कहकर पैसे वापस लिए थे और जल्द लौटाने की बात कही थी।

पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे-अजीत डोभाल

पाकिस्तान में घुसकर नौ ठिकानों को उड़ाया,एक भी नहीं चूका.....

चेन्नई/ एजेंसी

आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। इसके साथ ही अजित डोभाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं चूका।

एनएसए डोभाल ने कहा कि विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया... आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो... उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गईं सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी...

कबीरधाम में हादसा-अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी,पांच मजदूरों की मौत

कबीरधाम। आज बह करीब छह बजे कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आगरपानी के पास एक गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई है। ये गाड़ी शहडोल (एमपी) की तरफ से पंडरिया आ रही थी। इस हादसे में गाड़ी में बैठे तीन मजदूरों की मौत हो गई और छह गंभीर रूप से घायल हैं। घटना स्थल पहाड़ी इलाका होने के कारण शवों व घायलों को निकालने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि घाट में 50 फीट गहरी खाई है, इसी में वाहन गिर गया। कुछ घायल फंसे हुए हैं, जिन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। मौके पर कुकदूर थाना की पुलिस पहुंची हुई है। घायलों को कुकदूर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। जानकारी के मुताबिक, तीनों घायलों की हालत गंभीर है, जिसे कवर्धा जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है। बता दें कि ये वही क्षेत्र है

जहां बीते साल मई माह में पिकअप खाई में गिर गई थी, उस हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी। कवर्धा जिला अस्पताल में तीन गंभीर रूप से घायल को लाया गया था, जिसमें में दो की मौत हो गई है। वही, एक अन्य को रायपुर रेफर किया जा रहा है। अब मौत के आंकड़े तीन से बढ़कर 5 हो गए है। इस हादसे के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। शुरुआती जांच के अनुसार ब्रेक फेल के कारण हादसा होना बताया जा रहा है। कुकदूर थाना से मिली जानकारी अनुसार शहडोल (एमपी) से बेमेतरा जा रही बोर गाड़ी ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गई। जिससे घटनास्थल पर तीन लोगों की मौत हो गई थी। घायल 6 लोगों को तुरंत इलाज के लिए कुकदूर अस्पताल भेजा गया था, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक, बढ़ाया जिले का मान

अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक, बढ़ाया जिले का मान

महासमुन्द(समय दर्शन)। जिले में समाज कल्याण विभाग से मान्यता एवं अनुदान प्राप्त फॉर्चून फाउण्डेशन समाज सेवी संस्था प्रेतनडीह, सरायपाली द्वारा संचालित फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर, बागबाहरा खुर्द की पूर्व छात्र सुखदेव ने कांतिराव एथलेटिक्स स्टेडियम बेंगलूरु कर्नाटका में 11 से 12 जुलाई 2025 तक आयोजित 7वीं ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2025 में पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 1500 मीटर दौड़ में 4.36 मिनट में दौड़ पूरी करते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल कर एक और उपलब्धि हासिल किया।

मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट चलाने पर चालक को 11,100 रुपये का जुर्माना

दंतेवाड़ा (समय दर्शन): यातायात पुलिस ने अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर के साथ तेज गति से बुलेट (छत्र 18 क2554) चलाने वाले रोशन कुमार (निवासी बचेली) के खिलाफ कार्रवाई की। 9 जुलाई को दंतेवाड़ा शहर में पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा। एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत माननीय न्यायालय ने चालक पर 11,100 रुपये का जुर्माना लगाया और मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाकर मूल साइलेंसर लगवाया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय के निर्देश पर यातायात प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू की टीम नियमित चेकिंग कर रही है। पुलिस ने नागरिकों से मॉडिफाइड साइलेंसर हटाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की, ताकि ध्वनि प्रदूषण और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

हम स्वस्थ हैं या बीमार जानने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 13 को

राजनांदगांव। आगामी दिनांक 13 जुलाई को स्थानीय होटल राजवाड़ा में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के 6वें वंशज और डब्ल्यूओडब्ल्यू एकेडमी के सीईओ, जाने-माने आहार विशेषज्ञ वैभव साठे का स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने प्रभावी व्याख्यान होना है। सूर्य नाड़ी, चंद्र नाड़ी, जल चिकित्सा, योग एवं मर्म चिकित्सा के जानकार हैं। उनका मानना है कि, व्यस्त जीवनचर्या मे इंसान भूल जाता है कि, भौतिक सुखों को भोगने के लिए परिवार का स्वस्थ रहना जरूरी है। अन्यथा प्रदूषित वातावरण, पेस्टीसाइड युक्त भोजन तथा अव्यवस्थित जीवनचर्या हमें बीमार कर सकती है। आज की व्यस्ततम जीवनचर्या में हर इंसान सिर्फ और सिर्फ धन-दौलत, जमीन जायदाद एवं भौतिक सुख-साधना को जुटाने में लगा हुआ हैं। वो यह भूल जाता है कि, इन सभी भौतिक सुखों का उपयोग करने हेतु उसका एवं उसके परिवार का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी हैं। अन्यथा आज का प्रदूषित वातावरण, केमिकल व पेस्टीसाइड युक्त भोजन एवं अव्यवस्थित दिनचयाएं कभी भी हमें बीमारियों से जकड़ सकते हैं। उनका कहना है कि, बीमार होने का इंतजार न करें स्वस्थ रहने का इंतजाम करें। उन्होंने भारत को श्दवाई मुक्तश् बनाने का अभियान छेड़ा हुआ है। उनके द्वारा बताई चिकित्सा पद्धति से हजारों लोग डायबिटीज जैसी बीमारी से मुक्ति पा चुके है। हार्ट की बीमारी, चर्म रोग, अस्थि रोग जैसे अन्य रोगों का वे शर्तिया इलाज सिर्फ खान-पान पद्धति में बदलाव लाकर करते हैं। श्री साठे का मानना है कि, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति पर निर्भर करता है यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रुप से स्वस्थ है, मानसिक रुप से शांत है, और सामाजिक रुप से सक्रिय है, तो इसके पीछे हमारे खान-पान का बहुत बड़ा योगदान है। वर्तमान में हमारा खानपान केमिकल युक्त होने के कारण बीमारियां घर-घर और जन-जन तक पहुंच चुकी है। हमने अपने भोजन और पानी को दूषित कर लिया है। यदि भोजन ऑर्गेनिक हो जाए और पानी झरने जैसे मिले तो बीमारियां स्वत ही भाग जाएगी।

सरस्वती शिशु मंदिर बसना मे गुरू पूर्णिमा का भव्य आयोजन

बसना (समय दर्शन)। गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेदव्यास के जन्म दिवस के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर बसना में 10 जुलाई 2025 को गुरु पूर्णिमा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । सर्वप्रथम महर्षि वेदव्यास, मां भारती, ओम एवं सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ अतिथियों एवं आचार्य दीदियों का श्रीफल, वस्त्र, तिलक चंदन से सम्मानित किया गया । तत्पश्चात भैया बहनों द्वारा गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला गया । गुरु के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती ।

गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर रखा गया है । गुरु ही मनुष्य को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं ।जिस प्रकार एक सोनार सोने को तपाकर उसे गहने का आकार देता है, उसी तरह एक गुरु भी अपने शिष्य के जीवन को अपने ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करता है, उसे सही गलत को पहचानने की कला सिखाता है । कहा जाता है कि एक बच्चे की प्रथम गुरु मां होती है, जो उसे इस संसार से अवगत कराती है, वहीं दूसरे स्थान पर शिक्षा गुरु होते हैं जो हमें ज्ञान प्रदान करते हैं और तीसरा दीक्षा गुरु होते हैं, जो भगवत प्राप्ति का मार्ग

बताते हैं । भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है, गुरु ऐसे व्यक्ति है जो हमें संसार में अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, अन्याय से न्याय, अधर्म से धर्म की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं । गुरु की महिमा का वर्णन हमें वेदों पुराणों और अन्य धार्मिक ग्रंथो में विस्तृत रूप से प्राप्त होता है ।

गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेदव्यास के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि आषाढ़ पूर्णिमा को ही महर्षि वेदव्यास का प्राकट्य हुआ था । महर्षि वेदव्यास को प्रथम गुरु के रूप में मान्यता दी जाती है, जिन्होंने ज्ञान को सुव्यवस्थित कर विश्व को उपहार स्वरूप प्रदान किया था, इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा कहा जाता है । गुरु पूर्णिमा के दिन शरीर की ग्रहणशीलता और आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाने वाला माना जाता है । भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार भगवान शंकर ने सप्त ऋषियों को योग की दीक्षा भी इसी दिन से प्रारंभ किया था । संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति, ग्रंथ की जगह केवल भगवा ध्वज को अपना मार्गदर्शक और गुरु मानते हैं, इसके पीछे संघ का दर्शन यह है कि किसी व्यक्ति को गुरु बनाने पर उसमें पहले से कुछ कमियां हो सकती है या अहंकार में उसके सद्गुणों का क्षय हो सकता है लेकिन भगवा ध्वज स्थाई रूप से श्रेष्ठ गुण की प्रेरणा देती है ।

वर्तमान समय में भी गुरु पूर्णिमा का महत्व बना हुआ है, हालांकि गुरु शिष्य परंपरा में समय के साथ बदलाव आए हैं लेकिन गुरु के प्रति आदर और सम्मान आज भी प्रबल है, आज के समय में गुरु केवल आध्यात्मिक धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आचार्य मार्गदर्शन और प्रेरणादायक व्यक्तियों के रूप में हर क्षेत्र में विद्यमान है ।

गुरु पूर्णिमा के इस पावन बेला में विभाग कार्यवाहक दयामणी सिदार, अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, स्थानीय विद्यालय समन्वयक रमेश कुमार कर, संरक्षक सदस्य आनंद राम मदनानी, सदस्य धनेश्वर साहू, सावर अग्रवाल, प्राचार्य धनुर्जय साहू, प्रधानाचार्य भरोस राम साव समस्त आचार्य दीदीयाँ, भृत्य, वाहन चालक एवं भैया बहनों की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम सफल रहा।

इस कार्यक्रम का संचालन किशोर भारती अध्यक्ष भैया आदित्य साहू एवं बहिन तेजस्विनी बेहरा के द्वारा किया गया ।

अतिक्रमण के कारण मुसीबत में है कुर्मी गुंडरा के ग्रामीण, बारिश का पानी जमा होने से टूट गया पीड़ित का मकान, एस डी एम पाटन को ज्ञापन सौंपकर न्याय की लगाई गुहार

पाटन (समय दर्शन)। कुर्मी गुंडरा में बारिश का पानी नहीं निकलने के कारण एक पीड़ित का मकान गिर गया। वही अगर जल्द ही अतिक्रमण हराकर पानी निकालने का रास्ता नहीं बनाया गया तो दो और ग्रामीण का मकान गिर सकता है। इसे इसे लेकर पीड़ितों ने आज ह्यस्त्रद्व पाटन को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2020-21 में ग्राम पंचायत कुर्मीगुण्डरा एवं तहसील जामगांव आर में विष्णु ठाकुर द्वारा गली में किये गये अतिक्रमण को हटाने आवेदन प्रस्तुत किया गया था। विष्णु ठाकुर द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण में रोक लगाते हुए स्थगन आदेश भी नायब तहसीलदार जामगांव आर द्वारा जारी किया गया है। उक्त आदेश की अवहेलना करते हुए अतिक्रमणकारी ने घर की छत ढलाई पूर्ण कर ली। उक्त प्रकरण में अंतिम सुनवाई करते हुए नायब तहसीलदार जामगांव आर ने अतिक्रमण हटाने ग्राम पंचायत कुर्मीगुण्डरा को निर्देशित किया। उक्त निर्देश के परिपालन में पुलिसबल एवं विभागीय अधिकारी उपलब्ध कराते हुए कब्जा हटाने की मांग दो बार किया गया। दोनो ही बार तिथि घोषित होने के बावजूद ही कब्जा हटाने की कार्यवाही करने विभागीय अधिकारी एवं पुलिसबल उपलब्ध नही कराया गया। जिसका परिणाम आज ये रहा कि इस वर्ष बारिस में गली के पीछे पानी ठहराव की वजह से परमिला यादव का घर टूट गया। वही पास में रहने वाले बलदाऊ पटेल एवं सोहागा पटेल का घर भी टूट सकता है। पूर्व में दिये गये आवेदन में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि पानी ठहराव की वजह से घरो का क्षतिग्रस्त होना दर्शाया गया है। उक्त गली को बाधित करने की वजह से परमानंद पटेल के खेत में आवागमन बाधित हो गया है। अतिक्रमण नही हटाये जाने के कारण पीड़ित का घर क्षतिग्रस्त होता है तो पीड़ित परिवार एस डी एम कार्यालय के सामने धरना में बैठने की बात कही।

सूचना के अधिकार के तहत् जानकारी नहीं मिलने पर आदिवासी विकास विभाग मुंगेली के खिलाफप्रथम अपील

सूचना अधिकार के तहत समयसीमा में जवाब नहीं मिलने से नाराज़ आवेदक ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की

मुंगेली(समय दर्शन) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी समय सीमा में उपलब्ध नहीं कराए जाने पर आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, मुंगेली के खिलाफ प्रथम अपील दाखिल की गई है। आवेदक ने दिनांक 6 जून 2025 को विभाग से सूचना मांगी थी, जिस पर आरटीआई अधिनियम की धारा 7(1) के अनुसार 30 दिनों के भीतर जवाब देना अनिवार्य होता है।

लेकिन न तो विभाग की ओर से कोई सूचना दी गई और न ही अस्वीकार का कोई उत्तर भेजा गया। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए आवेदक ने प्रथम अपीलीय अधिकारी, आदिम जाति विकास विभाग, नया रायपुर को अपील भेजी है, जिसमें निःशुल्क सत्यापित सूचना प्रदान करने और जिम्मेदार जनसूचना अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है।इस अपील की प्रतिलिपि कलेक्टर मुंगेली एवं आदिवासी विकास कार्यालय मुंगेली को भी प्रेषित की गई है। जब इस संदर्भ में विभाग के सहायक आयुक्त से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि सूचना डाक से भेज दी गई है, लेकिन 30 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज दिनांक तक आवेदक को कोई डाक या सूचना प्राप्त नहीं हुई है।इस पूरे घटनाक्रम ने विभागीय पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। यदि विभागीय कार्यवाही समय पर और गुणवत्ता अनुसार हुई है, तो संबंधित दस्तावेज देने में विलंब क्यों? क्या कागजों पर लाखों रुपये खर्च दिखाकर ज़मीनी हकीकत से ध्यान भटकाया जा रहा है?

आरटीआई अधिनियम के अनुसार, समयसीमा में सूचना न देने की स्थिति में संबंधित जनसूचना अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन की दर से अधिकतम 25,000 रुपये तक का जुर्माना और विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।अब देखना यह है कि राज्य स्तरीय अपीलीय अधिकारी इस अपील पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेते हैं। यदि समय पर समाधान नहीं हुआ, तो मामला सीधे राज्य सूचना आयोग तक पहुंच सकता है।

सफाई कार्य का निरीक्षण करने फील्ड पर पहुंची महापौर, कहा बोरसी क्षेत्र से नालियों के ऊपर से अतिक्रमणों को हटाए तत्काल

दुर्ग/ समय दर्शन। नगर पालिक निगम के तहत शहर की सफाई वयवस्था पर लगातार निगम अमला कार्य कर रहा है! महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बोरसी वार्ड क्रमांक 51 क्षेत्र में सफाई कार्यो का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई और सुधार कार्यो को प्राथमिकता देने का निर्देश दिए,महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने वार्ड 51, वृंदावन नगर का निरीक्षण ।उन्होंने नाली निर्माण: कलकत्ता स्वीट से इशू बाड़ी से गार्डन तक नाली निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क क्षेत्र अतिक्रमण हटाना और घरों व दुकानों जे सामने और नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए ।उन्होंने अधिकारियों से कहा गार्डन की सफाई निरन्तर करते रहें।इन कार्यों को पूरा करने से वार्ड 51, वृंदावन नगर

की स्वच्छता और सुंदरता में सुधार होगा।उन्होंने कहा सड़क किनारे नालियों के आस पास से झाड़ियों व घास को हटाने कहा। महापौर ने इस दौरान साफ- सफाई के साथ घर-घर कचरा कलेक्शन कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर ही सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए निगम अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान एमआईसी देवनारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,पार्षद साजन जोसेफ,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता संजय ठाकुर,उपअभियंता विकास दमाहे सहित अन्य सुपरवाइजर भी मौके पर मौजूद रहे। सम्बंधित अधिकारी ने महापौर को जानकारी देते हुए बताया कि बोरसी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए लगातार निगम प्रशासन प्रयासरत है!

विशेष बैठक के बाद सफाई युद्ध स्तर पर जारी

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने विशेष बैठक आयोजित कर दिए गए निर्देशानुसार निगम का स्वास्थ्य विभाग अमला युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे है। शहर के बड़े नालो का विशेष अभियान चलाकर चैन माउंटेन, जे.सी.बी. एवं सफाई गैंग के माध्यम से सफाई कार्य कराया जा रहा है।

आयुक्त पाण्डेय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना की उपस्थिति में कोसा नाला में निर्माणाधीन पुल के नीचे निर्माण सामग्री को एजेंसी से ही हटवाया गया। इसी प्रकार खुर्सीपार के तेल्हा नाला, बापू नगर, गौतम नगर आदि सभी नालो के पुल एवं सकरे जगहो पर जे.सी.बी. एवं सफाई कर्मी लगाकर वृहद सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिससे होने वाले बारिश के पानी का निकासी निरंतर हो सके और अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

07 साल बाद पूर्णानन्द मिश्रा के सेवा पुस्तिका में चेतावनी आदेश को इन्द्राज की गई

बसना (समय दर्शन)। शिक्षा विभाग बसना के कारनामों ने एक बार फिर सबको चौंका दिया है। वैसे शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों के काले कारनामों की जड़े परत दर परत उखड़ने लगे हैं । सीईओ जिपं के चेतावनी आदेश मिलने के 07 साल के बाद भी पूर्णानन्द मिश्रा के सेवा पुस्तिका में इन्द्राज नही करने के मामले पे तूल पकड़ लिया है।

जो सोशल मीडिया मे प्रमुखता से समाचार पत्र एवं न्यूज पोर्टल में खबर प्रकाशित होने के बाद विजय लहरे डीईओ महासमुन्द ने गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लिया है। बसना बीईओ जे आर डहरिया ने पूर्णानन्द मिश्रा के सेवा पुस्तिका में इस चेतावनी आदेश को दर्ज कराया है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब मीडिया ने सूचना के अधिकार के त जानकारी चाही गयी तो , परदे के पीछे छिपे सच आखिरकार सामने आ ही गया।

चर्चा का विषय है कि इस चेतावनी आदेश को छुपाकर विकासखण्ड स्त्रोत्र समन्वयक बसना के लिए इनकी नियुक्ति के दौरान मनमाफिक्र प्रतिवेदन भेजा गया है। बसना बीआरसी पद की नियुक्ति का क्या होगा, इसकी सुगबुगहाट अब शुरू हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसना विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को 06 जून 2018 को ऋतुराज रघुवंशी आइएएस तात्कालीन सीईओ जिला पंचायत महासमुन्द ने एक व्हाटशेप ग्रुप मामले में संकुल समन्वयक पूर्णानन्द मिश्रा के विरूद्ध चेतावनी पत्र जारी करके, उनके सेवा पुस्तिका में दर्ज करने का आदेश दिया था।

लेकिन तात्कालीन बीईओ ने इस आदेश का पालन नहीं किया। बसना बीआरसी पद के चयन हेतु बीईओ कार्यालय बसना से सेवा पुस्तिका के आधार पर जिला प्रशासन ने प्रतिवेदन मंगाया तो, इसमें यह चेतावनी आदेश को इन्द्राज नही होने के कारण पूर्णानन्द मिश्रा को लाभ मिला। जिस कारण इनका बसना बीआरसी पद में नियुक्ति हो गई।

बीईओ जे आर डहरिया ने बताया कि कार्यालय बसना में भेजे गये इस चेतावनी आदेश पत्र का खोजबीन की गई। जिसमें पाया गया कि तात्कालीन बीईओ योगराम लहरे ने इस आदेश को पूर्णानन्द मिश्रा के सेवा-पुस्तिका में दर्ज नही कराया गया था।

जानकारी प्राप्त होने पर हमने उपरोक्त कार्यालय के दिशा निर्देश का पालन करते हुए उनकी सेवा पुस्तिका में इन्द्राज करवा दिया है।

बसना मे चर्चा का विषय है कि,शिक्षा विभाग से जुड़े अभी और कितने राज दफ्न है ?

उगलने की आशंका जताई जा रही है । कानून से बड़ा कुछ भी नहीं अंततः 07 साल बाद पूर्णानन्द मिश्रा के सेवा पुस्तिका में चेतावनी आदेश को इन्द्राज की गई।

शिक्षा विभाग बसना को लेकर आशंका जताई जा रही है, यहाँ अभी कई ऐसे राज दफ्न हैं जो समय आने पर जीन की तरह निकालेगा ।कौन भ्रष्ट है,जिसको चपेट मे लेगा, समय ही बताएगा ।

निर्धारित समय पर काम पूर्ण करने के दिए निर्देश

डिप्टी सीएम साव ने किया निर्माणाधीन विधानसभा भवन का निरिक्षण

रायपुर (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने गुरुवार को नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन तीनों विंगों के कार्यों का बारिकी से अवलोकन कर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्धारित समय में सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधानसभा के नवीन भवन का सिविल वर्क पूर्ण होने के बाद फर्नीचर और इंटीरियर का काम प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री साव ने नए विधानसभा भवन में कार्यों के निरीक्षण के बाद कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा यहां सभी कार्यों को सितम्बर माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। तदनुसार आगामी 1 नवम्बर को राज्योत्सव पर इसे छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित करने की तैयारी की जाएगी। नए भवन में विंग-ए जहां विधानसभा सचिवालय लगेगा और विंग-सी जहां उप मुख्यमंत्रियों एवं मंत्रियों के कार्यालय रहेंगे, का काम लगभग पूर्णता की ओर है। विधानसभा के सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय वाले विंग-बी में भी फर्नीचर और इंटीरियर का काम जल्दी चालू होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कार्यों के निरीक्षण के दौरान विधानसभा के सदन में विधायकों के लिए लगने वाली कुर्सी का अवलोकन कर इसकी विशेषताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विधानसभा के नए भवन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प की झलक मिलेगी। यह राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए दर्शनीय भवन होगा।

52 एकड़ में बन रहा विधानसभा भवन, 200 सदस्य बैठ सकेंगे सदन में

नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन 52 एकड़ में निर्माणाधीन है। इसके सदन में सदस्यों की बैठक क्षमता 200 होगी। नए विधानसभा भवन के एक विंग में विधानसभा सचिवालय, दूसरे में विधानसभा का सदन, सेंट्रल-हॉल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का कार्यालय तथा तीसरे विंग में मंत्रियों के कार्यालय होंगे। यहां 500 दर्शक क्षमता का ऑडिटोरियम भी बनाया जाएगा। 700 कारों की पार्किंग क्षमता वाले परिसर में डेढ़-डेढ़ एकड़ के दो सरोवरों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

रेलवे चार्टिंग नियमों में बदलाव: अब श्वक्तका आवेदन पहले देना होगा

14 जुलाई से लागू होंगे नए नियम

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय रेलवे ने आरक्षण चार्ट तैयार करने की समय-सीमा में बदलाव करते हुए अब पहला चार्ट ट्रेन छूटने से 8 घंटे पहले जारी करने का फैसला लिया है, जिससे आपातकालीन कोटा (Emergency Quota - EQ) के आवेदन की प्रक्रिया भी पहले पूरी करनी होगी। यह नई व्यवस्था 14 जुलाई से पूरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में लागू की जा रही है।

क्या है नया नियम? रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और बर्थ आवंटन में पारदर्शिता के लिए श्वक्त आवेदन की समय-सीमा को ट्रेन छूटने से पहले एक दिन करने का निर्देश दिया है। इससे पहले श्वक्त आवेदन अंतिम समय तक स्वीकार किए जाते थे।

श्वक्त आवेदन की नई समय-सीमा: सुबह 5:00 से दोपहर 2:00 बजे के बीच चलने वाली ट्रेनों के लिए

श्वक्त आवेदन एक दिन पहले शाम 4:00 बजे तक

दोपहर 2:01 से शाम 7:00 बजे के बीच चलने वाली ट्रेनों के लिए

श्वक्त आवेदन एक दिन पहले शाम 5:00 बजे तक

शाम 7:01 से रात 11:59 के बीच प्रस्थान वाली ट्रेनों के लिए

उसी दिन ट्रेन छूटने से 10 घंटे पहले तक आवेदन

रात 12:00 से सुबह 5:00 बजे के बीच प्रस्थान वाली ट्रेनों के लिए

ट्रेन छूटने के 10 घंटे पहले तक या अधिकतम शाम 5:00 बजे तक, जो बाद में हो

पहला चार्ट कब बनेगा?

सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच चलने वाली ट्रेनों का पहला चार्ट एक दिन पहले रात 9 बजे बाकी सभी ट्रेनों के लिए पहला चार्ट प्रस्थान से 8 घंटे पहले

दूसरे चार्ट की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं

क्यों किया गया बदलाव?

रेलवे ने बताया कि इससे श्वक्त मामलों को पहले निपटाया जा सकेगा और चार्टिंग प्रक्रिया अधिक संगठित और सटीक होगी। साथ ही, यात्रियों को अंतिम समय की असुविधा से भी राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण सूचना: श्वक्त आवेदन केवल मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य विभाग, रायपुर में ही स्वीकार किए जाएंगे। यात्रियों से समय का पालन करने की अपील की गई है। यह बदलाव आपात स्थिति में यात्रा की योजना बना रहे यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है। रेलवे ने सभी संबंधित यात्रियों को समय से आवेदन जमा करने की सलाह दी है।

गुरुपूर्णिमा पर दादाबाड़ी में महापूजन, श्रद्धालुओं ने चारों दादागुरुदेव को किया नमन

रायपुर (समय दर्शन)। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी की जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में चारों दादागुरुदेव की छत्रछाया में हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से महापूजन किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने प्रतिष्ठाचार्य आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका गुणानुवाद किया। दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि वर्तमान खरतरगच्छ परंपरा के आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी ने देशभर में 244 जिनमंदिरों व दादाबाड़ियों की प्रतिष्ठा करवाई है और उनके सान्निध्य में 160 से अधिक आत्माओं ने जैन दीक्षा ली है। गुरुपूर्णिमा पर समर्पित भाव से पूजन और भक्ति का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वर्धमान चोपड़ा, निर्मल पारख और सरला बैद ने गुरुभक्ति से परिपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया।

21 दिवसीय इक्तिसा जाप की घोषणा- गुरुपूर्णिमा पर्व पर 21 जुलाई से 10 अगस्त तक दादागुरुदेव इक्तिसा जाप का आयोजन घोषित किया गया। 21 जुलाई को मूर्ति कलश और अखंड दीपक की स्थापना होगी, जिसकी विधि विमल गोलछा द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी।

पूजा समारोह में श्रीमती शैला बरड़िया, कीर्ति लोढ़ा, मधु पारख, प्रसन्न चोपड़ा, मनीष बरड़िया, ममता जैन, डॉ. योगेश बंगानी, धीरेन्द्र सेठ, संतोष झाबक, अशोक झाबक, अरुणा कोठारी, और ममता बरमट सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए।

गुरुपूर्णिमा पर्व पर आयोजित यह भव्य कार्यक्रम जैन समाज की गुरुभक्ति, परंपरा और श्रद्धा का अनुपम उदाहरण बना।

मौसम अलर्ट: अगले 24 घंटों में इन 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी...

रायपुर (समय दर्शन)। मौसम विभाग ने प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने 10 जुलाई को दोपहर 1:39 बजे जारी किए गए अलर्ट में बताया गया है कि अगले 24 घंटों के भीतर प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

इन जिलों में जारी किया गया अलर्ट- यह चेतावनी ॠॠष्ट॥ श्रेणी में रखी गई है, जिसका अर्थ है कि लोगों को सतर्क रहने और स्थिति पर नजर बनाए रखने की आवश्यकता है। जिन जिलों के लिए यह अलर्ट जारी किया गया है, उनमें बलौदाबाजार, बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कोरबा, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, सरगुजा और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश देखने को मिल सकती है।

जलाशयों के आसपास ना जाएं- इस चेतावनी के मद्देनजर लोगों को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। खासकर नदी, नालों और जलाशयों के आसपास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है। साथ ही किसानों, ग्रामीणों और यात्रियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मानचित्र के माध्यम से भी बारिश संभावित इलाकों को दर्शाया गया है, जिनमें अधिकांश उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के क्षेत्र शामिल हैं। यह अलर्ट 11 जुलाई 2025 को सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहेगा।

सावधानी बरतने की अपील- मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है और लोगो से सतर्कता बरतने की अपील भी की है। भारी बारिश के समय में यदि आप किसी आपात स्थिति में पहुंचते हैं तो तुरंत स्थानीय प्रशासन या आपदा प्रबंधन टीम से संपर्क करें और बेवजह की यात्रा से बचें।

सैलानियों के लिए मानसून ट्रैकिंग का विशेष आयोजन

बारिश में बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम नजारा

रायपुर (समय दर्शन)। मानसून आते ही छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले का प्राकृतिक नजारा देखते ही बनता है। यहां प्रकृति अपने सबसे खूबसूरत रूप में नजर आती है। हरियाली, झरने और जंगलों का माहौल दिल को खुश कर देता है। इस मौसम में आप परिवार और दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने के साथ बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासनं द्वारा मानसून ट्रैक की थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए मानसून के मौसम में प्राकृतिक सौंदर्य वाले स्थानों पर ट्रैकिंग का आयोजन किया जा रहा है। मानसून ट्रैक प्लान के तहत जिले के झरनों और जंगल-पहाड़ों जैसे दर्शनीय स्थलों, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैंए वहां प्रशिक्षित स्थानीय गाइडों के माध्यम से भ्रमण करवाया जाएगा।

अगर आप वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बस्तर जिले के प्राकृतिक जलप्रपात चित्रकोट, तीरथगढ़, चित्रधारा, मेंदरीघूमर, तामड़ाघूमर, बीजाकसा, मिचनार ये जगहें न सिर्फ प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर हैं, बल्कि यहां मानसून ट्रैक और फोटोग्राफी के लिए भी बेहतरीन माहौल है।

बस्तर जिले में पर्यटकों को आने के लिए विशाखापट्टनम से प्रतिदिन रेल सेवा संचालित है। साथ ही विमान सेवा के तहत हैदराबाद से प्रतिदिन, दिल्ली से सप्ताह में दो दिन की विमान सेवा उपलब्ध है। इसके अलावा जगदलपुर सड़क मार्ग से रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर सहित हैदराबाद, विशाखापट्टनम से नियमित बस की सुविधा भी है। प्रशासन द्वारा मानसून ट्रैक कार्यक्रम को अन एक्सप्लोर्ड बस्तर के साथ मिलकर किया जा रहा है। मानसून ट्रैक के संबंध में जानकारी के लिए प्रशासन ने 9109188567 और 8962991988 संपर्क नंबर जारी किया है। मानसून ट्रैक में चिन्हाकित स्थलों के तहत चित्रकोट सर्किट में ट्रैकिंग के लिए चित्रकोट दंडामी रिसॉर्ट से प्रारंभ कर करबहार (मिनी गोआ) 2 किलोमीटर की दूरी में बोटिंग, वाटरफल, शिवलिंग का दर्शन, जलप्रपात का ऊपर से नजारा दिखाया जाएगा। साथ ही मेंदरी घुमर से इंद्रावती नदी तक 3 किलोमीटर के ट्रैक में रिवर क्रासिंग जंगली इलाके में, मेंदरीघुमर से तामड़ाघुमर तक (7 किमी) में 150 फिट डाउनवर्डस ट्रैक , क्रोकोडाइल साइटिंग, सेंडबिच, बर्ड वाचिंग, प्राकृतिक स्वीमिंग एरिया, तीरथा से बीजाकसा (2.5 किमी) तक की ट्रैकिंग बोटिंग कैम्प, बोनफायर, ट्रायबल फूड, तीरथा गांव का भ्रमण सहित स्थनीय स्तर की पौराणिक कहानी की जानकारी दी जाएगी। बीजाकसा से मेंदरी तक (8 किमी) में वाटरफॉल , वैली व्यू, जंगली जानवर और पंक्षियों की साइटिंग का आनंद लिया जा सकेगा। इसके अलावा मिचनार हिल्स क्षेत्र में ट्रैकिंग भी करवाया जाएगा। बस्तर जिले में स्थित कांगेर वैली नेशनल पार्क के अधीन आने वाले टोपर वाटरफॉल का ट्रैकिंग, मड़वा वाटरफॉल का ट्रैकिंग, शिवगंगा ट्रैकिंग में जंगल एरिया के बीच जलप्रपात, झरना जंगली जानवर बर्ड वाचिंग करवाया जाएगा। कैलाश गुफा, कैलाश झील, गुड़िया पदर में गांव से जलप्रपात तक (4 किमी) तक ट्रैकिंग करवाई जाएगी। तीरथगढ़ वॉटरफॉल से रानीदरहा वाटरफॉल(3 किमी) तक में जंगल एरिया वाईल्ड लाइफ बर्ड वाचिंग, मालकेव ट्रैक में मादरकोंटा से तीरथगढ़ (8 किमी) तक जंगलों के बीच ट्रैकिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा जिले के माचकोट इलाके में स्थित झील और झरनों के नाम से प्रसिद्ध तिरिया में और माचकोट के जंगलों में भ्रमण करवाने की कार्य योजना बनाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने किया छग लोक आयोग के 23वें वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका ने गुरुवार को राजभवन में छत्तीसगढ़ लोक आयोग, रायपुर के 23वें वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2024-25) का विमोचन किया। आयोग के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति आई.एस. उबोवेजा ने प्रतिवेदन को राजभवन में राज्यपाल को औपचारिक रूप से भेंट किया। इस अवसर पर लोक आयोग कार्यालय, रायपुर के विधि सलाहकार अजीत कुमार राजभानु, उपसचिव के.पी. सिंह भदौरिया, तकनीकी सलाहकार राकेश पुराम तथा निज सचिव राजेश कुमार गजेन्द्र भी उपस्थित थे।

संस्कारों से सजी गुरु पूर्णिमा की अनूठी छवि

रायपुरः गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चिचोली गाँव (तिल्दा ब्लॉक) की पूर्व माध्यमिक शाला में अदाणी फाउंडेशन रायखेड़ा द्वारा एक भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 150 से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद छात्रों ने अपने गुरुजनों व माता-पिता के चरण धोकर, पुष्प व श्रीफल अर्पित कर सम्मान प्रकट किया। गीत, कविता और भाषणों के माध्यम से गुरु की महिमा को सराहा गया। इस आयोजन ने न सिर्फ बच्चों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा, बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों और आत्मबल का संचार भी किया। अदाणी फाउंडेशन की यह पहल समाज में शिक्षा और संस्कृति को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देती है। यह एक ऐसी मिसाल, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कारों की अमिट छाप छोड़ती है।

महाराष्ट्र राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) गारे पेलमा सेक्टर-दो कोल माइंस: छत्तीसगढ़ और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

रायगढ़ : महाराष्ट्र राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) द्वारा छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में विकसित की जा रही गारे पेलमा सेक्टर-दो कोल माइंस परियोजना को सरकार द्वारा सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ प्रदान की जा चुकी हैं। अब यह कोयला खदान संचालन के लिए पूरी तरह तैयार है। यह परियोजना भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य में रोजगार और आधारभूत विकास के अवसरों को बढ़ावा देगी। इस परियोजना के तहत लगभग 655.15 मिलियन टन कोयला भंडार का दोहन किया जाएगा और इसकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 23.6 मिलियन मेट्रिक टन प्रति वर्ष है। परियोजना में कुल ?7463 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। इसके साथ-साथ, संचालन की अवधि में छत्तीसगढ़ राज्य को लगभग ?29 हजार करोड़ का राजस्व विभिन्न मदों — जैसे कि रॉयल्टी, जिला खनिज निधि , जीएसटी और अन्य शुल्कों के रूप में प्राप्त होगा। परियोजना के अंतर्गत लगभग 3 हजार 400 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में खनन, परिवहन, निर्माण, खानपान, सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य सेवा क्षेत्रों में कई अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इस परियोजना को शुरू करने के लिए अनेक नियामकीय प्रक्रियाएं और मंजूरियाँ चरणबद्ध रूप से पूरी की गईं। वर्ष 2015 में कोल ब्लॉक का आवंटन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा महाजेनको को किया गया।

खनन लीज़ के लिए वर्ष 2015 में आवेदन जमा किया गया और वर्ष 2016 में खनन योजना को स्वीकृति प्राप्त हुई। पर्यावरणीय स्वीकृति (श्वष्ट) के लिए आवेदन 12 अप्रैल 2016 को प्रस्तुत हुआ और जनसुनवाई वर्ष 2019 में आयोजित की गई। 13 अगस्त 2024 को श्वष्ट स्वीकृति प्राप्त हुई। वन विभाग द्वारा स्टेज-ढ्ढ और स्टेज-ढ्ढढ्ढ स्वीकृतियाँ क्रमशः 2 जून 2022 और 27 जनवरी 2023 को प्राप्त हुईं। अंतिम वन स्वीकृति 27 अगस्त 2024 को राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई।

महाजेनको परियोजना क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य प्रारंभ कर चुका है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में भी विकास कार्य करने का प्रयास करेगा। इन प्रयासों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे का विकास, प्रशिक्षण, आजीविका सहायता और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है।

14 गांवों को प्रभावित करने वाली यह परियोजना एक समावेशी पुनर्वास और पुनर्स्थापन योजना के साथ लागू की जा रही है, जिसमें 3296 परिवारों को निर्धारित नीति के अनुरूप पुनर्वासित किया जाएगा। इन परिवारों ने अपने सामाजिक और आर्थिक उत्थान की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाते हुए इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भागीदारी की है, जिससे उन्हें बेहतर जीवनशैली, रोजगार के अवसर और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी।

संपादकीय

एमएसएमई की संख्या में वृद्धि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सतत आर्थिक विकास के मद्देनजर एमएसएमई के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम अनिवार्य है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि केंद्र सरकार ने इस अनिवार्यता को समझते हुए कई नीतिगत पहल की है। एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक के उद्यमों को अपनी वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम-से-कम 35 फीसद एमएसएमई उद्यमों से प्रापण करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास जैसी तमाम पहल ने एमएसएमई उद्यमों के लिए स्थितियां उत्साहजनक बनाई हैं। इन प्रयासों ने पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। साथ ही, उम्मीद जगी है कि इन पहल से देश के समावेशी विकास में एमएसएमई पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण निभाने में सक्षम और सफल हो सकेंगे। चूंकि ये उद्यम बनिस्बत कम पूंजी लागत पर अधिक रोजगार अवसरों का सृजन करते हैं, और वह भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, इसलिए कमजोर वगरे को सशक्त बनाने और विकास के विकेंद्रीकरण में अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। कहना न होगा कि इससे ये उद्यम समावेशी विकास का महत्त्वपूर्ण जरिया बन सकते हैं। जमीनी स्तर पर नवाचार में भी एमएसएमई उद्यमों की भूमिका को समझा गया है। महिलाओं को इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए तो समाज के सर्वांगीण विकास की में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। बेशक, सरकार के स्तर पर तमाम प्रयास और पहल हो रही हैं, लेकिन इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह क्षेत्र अनके चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। वित्त की समस्या, कंपनियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे माल, सीमित बाजार, विलंबित भुगतान और कम कुशल कार्यबल आदि समस्याओं का निदान हो सका तो यकीनन यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास में अपेक्षित योगदान देगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

डॉ. प्रभात दीक्षित

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं। हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षो से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं। जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन-देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है। आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत-हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है। न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। कई मामलों में पुलिस की लापरवाही ही न्याय में देरी की सबसे बड़ी वजह बनती है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से लेना होगा। जब भूमि विवाद, जाति प्रमाण पत्र, किराएदारी या राजस्व से जुड़े मामूली मसले प्रशासन द्वारा समय पर न सुलझाए जाएं, तो जनता के पास अदालत जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। ऐसे में तहसीलदार, एसडीएम और अन्य अधिकारी अपने स्तर पर सक्रिय रहेंगे तो कोर्ट का बहुत सारा भार हल्का किया जा सकता है। वहीं मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता है, उसे भी जिम्मेदारी निभानी होगी। अक्सर देखा गया है कि मीडिया कुछ मामलों को इस तरह से उछाल देता है कि वह 'ट्रायल बाय मीडिया' बन जाता है। इससे न केवल न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि जनता का भ्रम भी बढ़ता है। मीडिया का काम है जनता को न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देना, कोर्ट के फैसलों को सही संदर्भ में प्रस्तुत करना और जन-जागरूकता फैलाना है। यदि मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाए, तो न्यायपालिका और समाज के बीच की दूरी को पाटने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक

घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

तेजी से बढ़ रही युवाओं में नशीले पदार्थो के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है। यह प्रवृत्ति शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूरस्थ गांवों और कस्बों तक पांव पसार चुकी है। सबसे चिंता की बात यह है कि यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। वैसे यह समस्या भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अनेक देशों में भी नशीली दवाओं की तस्करी खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 26 जून को 'अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है, लेकिन 36 वर्षो से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने की बजाय यह समस्या दुनिया भर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का धंधा अब देश के नामी-गिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की गंध में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं। राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग 'छूट प्राप्त अड्डों' में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए नशे की संस्कृति 'स्टेटस सिंबल' और 'मॉडर्निटी' का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं, और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं। इस भयावह स्थिति को बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। सूचना क्रांति का यह माध्यम नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का प्लेटफॉर्म बन गया है। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है, और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में स्थिति यह है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, जो किसी संगठित गिरोह की गतिविधि से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है-साथियों के दबाव, मॉडर्न दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं- भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता है और ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका अस्तित्व इन पर निर्भर हो जाता है। समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत तो यह है कि नशे की गिरफ्त में व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच-विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय-क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्य में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया-प्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है।

राष्ट्रीय सरलता दिवस

आज के जटिल और व्यस्त युग में, जहाँ हम तकनीकी सुविधाओं और भौतिक संसाधनों की दौड़ में फंस गए हैं, वहाँ सरलता का संदेश देने वाला राष्ट्रीय सरलता दिवस (हृडुह्लद्बश्ठ्ठडुद्य स्द्बद्वश्चद्यद्बष्द्वह्ल4 ष्ठडु4) एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन में सच्ची खुशी और संतुष्टि सरलता में छिपी है, न कि जटिलताओं में।

राष्ट्रीय सरलता दिवस प्रतिवर्ष 12 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन अमेरिकी दार्शनिक, लेखक और प्रकृतिप्रेमी हेनरी डेविड थोरो (।द्गठ्ठह्ल4 ष्ठडु1द्बस्र ञ्जद्धश्रह्द्गडुह्ल) के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। थोरो का जन्म 12 जुलाई 1817 को हुआ था।

थोरो एक महान दार्शनिक और लेखक थे जिन्होंने सरल जीवन और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने की वकालत की। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक वाल्डन (ङ्खडुद्यस्रद्गठ्ठ) में उन्होंने सरल जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। थोरो ने दो साल, दो महीने और दो दिन तक वाल्डन पॉन्ड के किनारे एक छोटी सी झोपड़ी में रहकर सरल जीवन का प्रयोग किया।

यद्यपि इस दिवस को किसने शुरू किया, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन यह निश्चित है कि यह हेनरी डेविड थोरो के सम्मान में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को आधुनिक जीवन की जटिलताओं से मुक्त करना और सरलता की शक्ति को समझाना है।

आज के समय में सरलता का महत्व

आधुनिक जीवन की चुनौतियां

आज के डिजिटल युग में हम निम्नलिखित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सबसे पहले, तकनीकी निर्भरता ने हमारे जीवन को जटिल बना दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट की लत ने हमें लगातार सूचनाओं की बौछार में डूबे रहने पर मजबूर कर दिया है। हम वर्चुअल दुनिया में खो गए हैं और वास्तविक जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को भूल गए हैं।

दूसरी समस्या भौतिकवाद की दौड़ है। उपभोक्ता संस्कृति ने हमें अधिक से अधिक खरीदारी करने और जमा करने के लिए प्रेरित किया है। इससे हमारे घर और मन दोनों अव्यवस्थित हो गए हैं, जिससे तनाव और बेचैनी बढ़ती है। हम अनावश्यक चीजों के भंडार में डूबे हुए हैं और वास्तविक जरूरतों को पहचानना भूल गए हैं।

तीसरी चुनौती समय की कमी है। व्यस्त जीवनशैली के कारण हमारे पास अपने लिए, परिवार के लिए या प्रकृति के लिए समय नहीं है। हम हमेशा भागदौड़ में रहते हैं और जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को खो देते हैं। कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बिगड़ गया है।

चौथी समस्या तुलना की प्रवृत्ति है। सोशल मीडिया के कारण हम लगातार दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं, जिससे असंतुष्टि और तनाव बढ़ता है। यह हमारे आत्मविश्वास को कमजोर करता है और खुशी छीनता है। हम अपनी वास्तविक उपलब्धियों को नजरअंदाज करके दूसरों की दिखावटी सफलता से प्रभावित होते रहते हैं।

सरलता के फायदे

सरल जीवन अपनाने से अनेक लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, मानसिक शांति का अनुभव होता है। सरल जीवन अपनाने से मानसिक तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है। यह हमारे विचारों को साफकरता है और भीतरी संतुष्टि प्रदान करता है। जब हम अनावश्यक चीजों से छुटकारा पाते हैं, तो हमारा मन भी हल्का हो जाता है।

दूसरा लाभ बेहतर रिश्तों का है। जब हम भौतिक चीजों पर कम ध्यान देते हैं, तो हमारे पास लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अवसर मिलता है। यह हमारे पारिवारिक और सामाजिक बंधन को मजबूत बनाता है। हम अपने प्रियजनों के साथ वास्तविक संवाद करते हैं और गहरे रिश्ते बनाते हैं।

तीसरा महत्वपूर्ण लाभ वित्तीय स्वतंत्रता है। सरलता अपनाने से अनावश्यक खर्च कम होता है और वित्तीय स्थिति मजबूत होती है। यह हमें कर्ज़ के बोझ से मुक्त रखता है और भविष्य की योजना बनाने में सहायक होता है। हम अपनी जरूरतों और चाहतों के बीच अंतर करना सीखते हैं।

चौथा लाभ पर्यावरण संरक्षण है। कम उपभोग करने से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करता है और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ पृथ्वी छोड़ता है। हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना सीखते हैं।तीय स्थिति मजबूत होती है।

पर्यावरण संरक्षण: कम उपभोग करने से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आज के संदेश और संकल्प

व्यक्तिगत स्तर पर

व्यक्तिगत स्तर पर हमें सरलता अपनाने के लिए कई कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास करना चाहिए। दिन में कुछ समय फोन और इंटरनेट से दूर रहें और प्रकृति के साथ समय बिताएं। यह हमारे मन को शांति देता है और वास्तविक जीवन से जुड़ाव बनाता है।

दूसरा कदम न्यूनतम जीवन अपनाना है। केवल आवश्यक चीजें ही खरीदें और घर से अनावश्यक सामान हटाएं। यह हमारे घर और मन दोनों को स्वच्छ रखता है। हमें यह समझना चाहिए कि खुशी चीजों की मात्रा में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता में है।

तीसरा महत्वपूर्ण कदम माइंडफुलनेस का अभ्यास है। वर्तमान क्षण में जीने का अभ्यास करें। योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। यह हमारे मन को एकाग्र करता है और आंतरिक शांति प्रदान करता है।

चौथा कदम स्थानीय और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाना है। स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और प्राकृतिक भोजन का सेवन करें। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देता है।ीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाएं।

पारिवारिक स्तर पर

गुणवत्तापूर्ण समय: परिवार के साथ बिना किसी डिजिटल डिस्ट्रैक्शन के समय बिताएं।

सामूहिक गतिविधियां: खेल, पढ़ना, खाना बनाना जैसी सरल गतिविधियों में भाग लें।

कृतज्ञता का अभ्यास: जो आपके पास है, उसके लिए आभारी रहें और संतुष्टि का अनुभव करें।

सामाजिक स्तर पर

दान और सेवा: अपनी अतिरिक्त चीजों को जरूरतमंदों को दान करें।

पर्यावरण संरक्षण: प्लास्टिक का कम उपयोग करें और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दें।

सामुदायिक भागीदारी: अपने समुदाय में सक्रिय रूप से भाग लें और सरलता के संदेश को फैलाएं।

आज, 11 जुलाई 2025 को, जबकि कल राष्ट्रीय सरलता दिवस है, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में सरलता को अपनाएंगे। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में, जहाँ हर चीज़ जटिल होती जा रही है, सरलता एक क्रांतिकारी विचार है।

हमें समझना होगा कि सरलता का मतलब गरीबी या कमी नहीं है, बल्कि यह एक सचेत चुनाव है जो हमें वास्तविक खुशी और संतुष्टि की ओर ले जाता है। यह हमें सिखाता है कि कम में अधिक खुशी कैसे खोजें। राष्ट्रीय सरलता दिवस केवल एक दिन नहीं है, बल्कि यह एक जीवन दर्शन है जो हमें सिखाता है कि जीवन में सच्ची खुशी भौतिक चीजों में नहीं, बल्कि सरलता, संतुष्टि और प्रकृति के साथ तालमेल में है। हेनरी डेविड थोरो के शब्दों में, सरलता, सरलता, सरलता! मैं कहता हूं, आपके मामले हजार के बजाय एक सौ हों।

इस दिवस की सच्ची भावना यह है कि हम अपने जीवन से अनावश्यक जटिलताओं को हटाकर एक सरल, संतुष्ट और खुशहाल जीवन जीएं। यह न केवल हमारे व्यक्तिगत कल्याण के लिए अच्छा है, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है।

- वासवी राजू बरडे, नागपूर, महाराष्ट्र

बारिश का सीजन में फ्रिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फ्रीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फ्रिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फ्रिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फ्रिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फ्रिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फ्रिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फ्रिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फ्रिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फ्रिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमें समा जाएं।

आलू-शिमला

आलू को फ्रिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फ्रिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।

लिवर की बीमारी होने से पहले आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती हैं। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है। डायटीशियन और होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट और डाइट पोडियम की फाउंडर शिखा महाजन से हमने बात की और इस बारे में और जानने की कोशिश की। उन्होंने विस्तार से हमें स्किन पर होने वाले रिएक्शन्स के बारे में बताया।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरू हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने पर स्किन में खुजली शुरू हो जाती है। जब पित्त का डक्ट ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्छा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकत्ते या होती है ब्लीडिंग

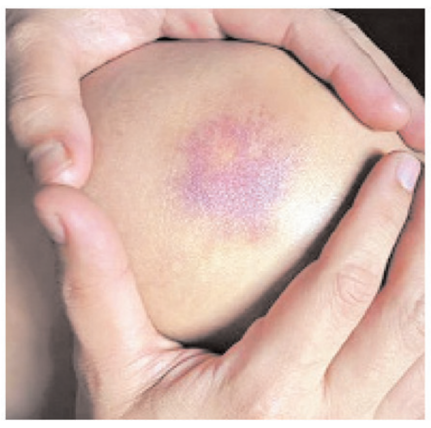

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना

मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फरूटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Fetor hepaticus कहा जाता है।

चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाइयां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है।

हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है।

अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।

बरसात में शरीर को ले डूबेगी ज़िंक की कमी, आता-जाता इंफेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कद्दू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फ़ूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फ़ूड्स ज़िंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन ज़िंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च ज़िंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां ज़िंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% ज़िंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स

ओट्स ज़िंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल ज़िंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश ज़िंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व फ्लू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें

काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पेरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रिकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।

डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड- आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोकस सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते है। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल कभी नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में नए DEON जोइधा राम डहरिया ने पदभार संभाला

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)-सारँगढ बिलाईगढ़ जिले में जिला शिक्षा अधिकारी एलपी पटेल के निलंबित होने के बाद रायगढ़ डीईओ को प्रभार सौपा गया था कल शिक्षा विभाग रायपुर ने आदेश जारी किया जिसमें जेआर डहरिया महासमुंद जिले की बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में सेवाएँ दे रहे थे जिसे आज सारँगढ बिलाईगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार सौपा गया आज जेआर डहरिया ने जिले पहुँचकर जिला शिक्षा अधिकारी का कलेक्टर ने पद भार ग्रहण करवाया विभाग की ओर से उनका स्वागत किया गया, और स्थानीय शिक्षकों की ओर से उनके नेतृत्व को लेकर शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की उम्मीद जताई गई।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी96 5जी

नईदिल्ली। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनियाभर में मशहूर और भारत के अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड*, ने आज moto g96 5G को लॉन्च किया। यह इस साल का पहला G-सीरीज़ फोन है और पिछले साल के सबसे लोकप्रिय 20,000 से कम कीमत वाले फोन moto g85 5G का अगला संस्करण है। इस फोन में 20,000 से कम कीमत में शानदार फीचर्स दिए गए हैं। इसमें सेगमेंट का सबसे बेहतरीन 144H5 3D कर्व्ड pOLED FHD+ डिस्प्ले है, जो IP68 वॉटरप्रूफ सुविधा के साथ आता है। इसके अलावा, इसमें 50MP OIS Sony LYTIA™ 700C कैमरा है, जो Moto AI और सभी लेंसों से 4K वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है। फोन में Snapdragon® 7s Gen 2 प्रोसेसर है, जो 650K तक का AnTuTu स्कोर देता है। यह फोन प्रीमियम वीगन लेदर डिज़ाइन में आता है, और बेहद हल्का एवं पतला है। इसे चार खूबसूरत पैनटोन क्यूरेटेड रंगों में बाज़ार में उतारा जाएगा। इसमें 5500mAh की बैटरी दी गई है, जो 42 घंटे तक चलती है। moto g96 5G में 8GB RAM + 256GB स्टोरेज है और इसकी शुरुआती कीमत केवल 17,999 (8+128GB वैरिएंट) रखी गई है। moto g96 5G ने अपने सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित किया है, जिसमें सबसे बेहतरीन 144H5 3D कर्व्ड pOLED डिस्प्ले और g-सीरीज में पहली बार IP68 वाटरप्रूफ प्रोटेक्शन शामिल है।

डेक्कन राइस ने चीनी बाजार में प्रवेश किया

नई दिल्ली: लोकप्रिय डेक्कन ब्रांड के तहत चावल एक्सपोर्ट करने वाली डेक्कन ग्रेन्ज़ इंडिया ने हाल ही में चीनी बाज़ार में प्रवेश किया है। कंपनी पहले से ही स्वीडन, ब्रिटेन, जर्मनी, आयरलैंड, लंदन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय यूनियन और तुर्की को भारतीय चावल की 30 किस्मों का निर्यात कर रही है, और चीन इसके ग्लोबल फुटप्रिंट में नया नाम है। डेक्कन ग्रेन्ज़ इंडिया के डायरेक्टर किरण कुमार पोला ने कहा, हम दक्षिण भारत से चावल निर्यात में वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले एकमात्र चावल ब्रांड हैं। उन्होंने कंपनी के चीन में प्रवेश को एक बड़ा कदम बताया, जो चावल प्रोडक्शन में भारत के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेक्कन फूड्स अमेरिकी बाज़ार में गैर-बासमती चावल श्रेणी में लीडर है। उन्होंने कहा, हम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के हज़ारों किसानों से गुणवत्तापूर्ण चावल खरीदते हैं और उसे विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट करते हैं।

जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश- अपने 15 साल के लंबे सफ़र में, कंपनी ने विदेशों में 7 करोड़ से ज़्यादा चावल की बोरियाँ बेची हैं। सोना मसूरी इसकी कुल बिक्री का 60 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी का हैदराबाद के पास सुल्तानपुर में एक अत्याधुनिक, जापानी तकनीक से ऑपरेटेड चावल प्रोसेसिंग फैसिलिटी है जिसकी मासिक क्षमता 5,500 मीट्रिक टन है। इसमें 100 लोग कार्यरत हैं।

मानसून संरक्षित रेल परिचालन की दिशा में रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग की सतर्क पहल

रायपुर/ बिलासपुर (समय दर्शन)। मानसून का आगमन जहाँ एक ओर वातावरण को शीतलता और ताजगी से भर देता है, वहीं रेलवे जैसे विशाल नेटवर्क के लिए कई चुनौतियाँ का सामना करना पड़ता है । रेल पटरियों पर जलभराव, सिग्नल प्रणाली में नमी प्रवेश, बिजली आपूर्ति में व्यवधान जैसी समस्याएँ मानसून में सामान्य हैं, जो रेल संचालन को प्रभावित करने की संभावना बनी रहती हैं ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार (एसएंडटी) विभाग विशेष सावधानियों के साथ मानसून के दौरान रेल परिचालन को संरक्षित, समयबद्ध एवं निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

अफ्सरों ने बताया कि रेलवे स्टेशनों के प्वाइंट एवं ट्रैक सर्किट क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को रोकने यार्डों की जल निकासी प्रणाली की सफ़ाई कराई गई है । मानसून से पहले ही सभी सुधारात्मक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं । साथ ही, आकाशीय बिजली से बचाव के लिए कई स्टेशनों पर सेल्फ-रिस्टोरिंग क्क्क्ष्ट फ्यूज लगाए गए हैं, जिससे उपकरणों की सुरक्षा और संचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके ।

विभाग ने सभी सिग्नल पोस्ट की जाँच कर उनके अंदर पानी या नमी के रिसाव की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त किया गया है । सिग्नल इकाइयों को विशेष गैस्केट और सीलिंग से सुरक्षित किया गया है । सिग्नल लैंपों के प्रत्येक छिद्र को बंद कर पूरी प्रणाली को मौसमरोधी बनाया गया है ।

उन्होंने बताया कि रिले रूम, बैटरी रूम और पैनल रूम की छतों की सफ़ाई कर पानी जमा होने की स्थिति से बचाव किया गया है । क्षतिग्रस्त खिड़कियाँ, दरवाजे और छतों की मरम्मत समय रहते की गई है ।

ड्रेनेज पाइपों को भी साफ कर किसी भी तरह की रुकावट को दूर किया गया है । लोकेशन बॉक्सों की भी गहन जांच कर आवश्यक मरम्मत की गई है ।

बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उपाय- मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति में संभावित व्यवधान को ध्यान में रखते हुए स्टैंडबाय पावर सप्लाई की व्यवस्था की गई है । जहाँ कहीं भी बिजली आपूर्ति में अनियमितता पाई गई, वहाँ जेनेरेटर सेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि बैटरी निरंतर चार्ज हो सकें और सिग्नलिंग व्यवस्था सुचारु बनी रहे ।

केबल और उपकरणों की सतत निगरानी- पुराने या क्षतिग्रस्त केबलों को मानसून से पहले ही बदला गया है। सभी जंक्शन बॉक्स, लोकेशन बॉक्स तथा सिग्नल पोस्ट में केबल की इंसुलेशन जांच की गई है और अर्थ फॉल्ट को दूर किया गया है । सभी महत्वपूर्ण उपकरण जैसे ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, आईपीएस, एक्सल काउंटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आदि पर उचित अर्थिंग की गई है और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित की गई है ।

निरंतर समीक्षा और सुधार की व्यवस्था- जोनल मुख्यालय स्तर पर सभी विभागों के अधिकारी और पर्यवेक्षक प्रतिदिन पर फेलियर की समीक्षा करते हैं और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करते हैं । इन सुझावों का पालन कर्मचारीगण पूरी तत्परता से करते हैं, जिससे संपूर्ण प्रणाली की दक्षता और विश्वसनीयता बनी रहती है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग मानसून की कठिन परिस्थितियों में भी रेल संचालन को संरक्षित और प्रभावी बनाए रखने के लिए अत्यंत गंभीर और सजग है । इन पूर्व तैयारियों और सावधानियों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्रीगण किसी भी प्रकार की असुविधा के बिना अपनी यात्रा पूरी कर सकें ।

समय पर खाद मिलने से खुशहाल हुए किसान, जेवरा के कृषक कृष्णा कुमार साहू ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

दुर्ग(समय दर्शन)। जिले में किसानों को कृषि कार्य के लिए समय पर खाद और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में शासन-प्रशासन द्वारा गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम ग्रामीण अंचलों में साफतौर पर देखा जा सकता है। ग्राम जेवरा के कृषक श्री कृष्णा कुमार साहू ने बताया कि उन्हें इस खरीफसीजन के लिए समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद प्राप्त हो गया है, जिससे उन्होंने समय रहते अपने खेतों में बुवाई का कार्य पूरा कर लिया है। श्री साहू ने बताया कि बीते वर्षों में कभी-कभी खाद की अनुपलब्धता के कारण उन्हें बुवाई में देरी हो जाती थी, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। लेकिन इस वर्ष खाद वितरण की बेहतर व्यवस्था और निगरानी से उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई।

कृषक श्री साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष रूप से आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई कृषक हितैषी मुहिमक्क जैसे समय पर खाद और बीज की उपलब्धता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी इत्यादि ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज गांव के किसान पहले से अधिक जागरूक और सक्षम हुए हैं। खेती-किसानी अब सिर्फ जीवनयापन का साधन नहीं, बल्कि सम्मानजनक और लाभकारी पेशा बनता जा रहा है। इस बदलाव का श्रेय राज्य सरकार की कृषि प्राथमिकता नीतियों को जाता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सफल हो रही हैं। ग्राम जेवरा सहित जिले के अनेक किसान अब समय पर कृषि कार्य कर रहे हैं, जिससे बेहतर उत्पादन की संभावना बढ़ी है। कृषकों में यह विश्वास बना है कि शासन उनके साथ खड़ा है और उनकी मेहनत को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। यह पहल न केवल किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास के बड़े लक्ष्य को भी साकार कर रही है।

सावन माह की पहली डाक कांवड़ यात्रा सिंघोला महाकाल मंदिर पहुंची

राजनांदगांव। पवित्र सावन माह के प्रथम दिन डाक कांवड यात्रा मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर सिंघोला महाकाल मंदिर पहुंची। जीवनदान सेवा संस्था ने बताया यह लगातार डाक कांवड यात्रा का तीसरा वर्ष है।

आयोजनकर्ता शिवगण जहां से संस्था को प्रेरणा मिली श्री बागेश्वर धाम मंदिर, मां पाताल भैरवी बर्फानी धाम से राजेश मारू, श्री महाकाल मंदिर सिंघोला से पवन डागा, हिंदू जागरण मंच से सुशील लड्डा, आज इस डाक कांवड यात्रा की शुरुआत विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, राज बहादुर सिंह, ने सिटी बजाकर इस यात्रा को प्रारंभ किया एवं सोमवार 14 जुलाई को मोहारा शिवनाथ नदी से जल लेकर बागेश्वर धाम रायपुर नाका जाएगी।

इस यात्रा मे जीवनदान सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र लाल जंघेल, प्रदेश महासचिव हरीश भानुशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय जंघेल, भारतभूषण वैष्णव, कोषाध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, आनंद मुदंडा, राजनांदगॉव जिलाध्यक्ष अविनाश जैन, जिला उपाध्यक्ष अमित चौहान, शहर अध्यक्ष रिषभ मल्ला, महेश्ववर जंघेल, यस साहू, रितेश साहू, चंदन साहू, राहुल साहू, सत्यम ओझा, शिवम ओझा, बेटी चेष्टा जंघेल, मिताली वर्मा, पूर्व जंघेल आदि उपस्थित थे।

आवास मित्र पर गंभीर आरोप, ग्राम पंचायत जल्ली से हटाने की मांग

प्रधानमंत्री आवास योजना में मनमानी कर हितग्राहियों से पैसे वसूले जाने का आरोप

मुंगेली(समय दर्शन)जनपद पंचायत मुंगेली अंतर्गत ग्राम पंचायत जल्ली में पदस्थ आवास मित्र रमाकांत निषाद पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पंचायत के उपसरपंच द्वारा जिला कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि आवास मित्र रमाकांत निषाद अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पुराने मकान का जीर्णोद्धार कर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नया निर्माण दिखा रहे हैं। साथ ही हितग्राहियों से पैसे लेकर उनकी फर्जी रिपोर्टिंग कर आवास स्वीकृत करवाया जा रहा है।आवेदन में आगे उल्लेख किया गया है कि आवास मित्र द्वारा सरकारी नियमों का उल्लंघन कर योजनाओं में मनमानी की जा रही है, जो कि भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। ऐसे कार्यों से न केवल शासन की मंशा को ठेस पहुंचती है बल्कि पात्र हितग्राहियों को भी नुकसान होता है।उपसरपंच ने की कार्रवाई की मांग ग्राम पंचायत जल्ली के उपसरपंच ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि संबंधित आवास मित्र को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए तथा उनके द्वारा लंबित कार्यों एवं आवास निर्माण की पूरी राशि की वसूली की जाए। यह शिकायत मुंगेली प्रशासन के लिए एक बड़ा संकेत है कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण

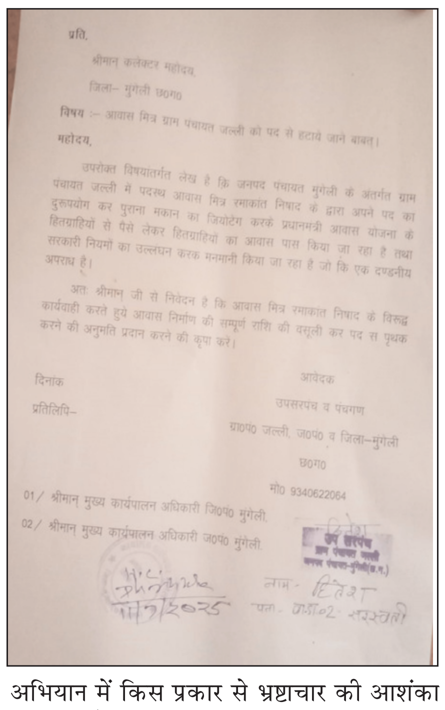

प्रति,
श्रीमान कलेक्टर महोदय
जिला- मुंगेली छ0ग0
विषय :- आवास मित्र ग्राम पंचायत जल्ली को पद से हटाये जाने बाबत्।
महोदय,
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि जनपद पंचायत मुंगेली के अंतर्गत ग्राम पंचायत जल्ली मे पदस्थ आवास मित्र रमाकांत निषाद के द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर पुराना मकान का जियोटेग करके प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से पैसे लेकर हितग्राहियों का आवास पास किया जा रहा है तथा सरकारी नियमों का उल्लंघन करके मनमानी किया जा रहा है जो कि एक दण्डनीय अपराध है।
अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि आवास मित्र रमाकांत निषाद के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये आवास निर्माण की सम्पूर्ण राशि की वसूली कर पद से पृथक करने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।
दिनांक
आवेदक
प्रतिलिपि-
उपसरपंच व पंचगण
ग्रा0पं0 जल्ली, ज0पं0 व जिला-मुंगेली
छ0ग0
मो0 9340622064
01/ श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जि0पं0 मुंगेली.
02/ श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज0पं0 मुंगेली.

अभियान में किस प्रकार से भ्रष्टाचार की आशंका बन रही है।प्राप्तकर्ता अधिकारियों को प्रतिलिपि भेजी गई।यह आवेदन कलेक्टर कार्यालय के साथ-साथ जनपद पंचायत मुंगेली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी अवगत कराने हेतु भेजा गया है। ग्रामीणजनों में इस पूरे प्रकरण को लेकर आक्रोश व्याप्त है तथा निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

काइनेटिक ग्रीन बॉर्न इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज के साथ अपने इलेक्ट्रिक टू व्ही्लर बिजनेस का विस्तार करेगा

पुणे (एजेंसी): भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू-व्हीफ्लर एवं थ्री-व्हीलर बनाने वाली कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीपलर बिजनेस को बढ़ाने की एक बड़ी योजना की घोषणा की है। पिछले साल लॉन्च हुए उनके मशहूर ई-लूना की शानदार सफलता से उत्साहित होकर, कंपनी अब अगले 18 महीनों में तीन उच्चद प्रदर्शन वाले बॉर्न-इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है, जो विश्वस्तरीय डिज़ाइन और मजबूत भारतीय इंजीनियरिंग का मिश्रण होंगे। इस विस्तार का पहला मॉडल एक प्रीमियम, स्टाइलिश और तकनीकी रूप से उन्नत फैमिली स्कूटर होगा, जिसे 2025 के त्योहारी सीज़न से पहले लॉन्च किया जाएगा। यह स्कूटर रेट्रो लुक और यूजर की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें कई अत्या धुनिक खूबियां होंगी। इसमें रंगीन टीएफ्टी(ञ्जस्नञ्ज) डिस्प्ले, उन्नत आईओटी (ढ्ढश्ञ्ज) सुविधाएँ और जियो थिंग्स के साथ मिलकर विकसित एक स्मार्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं जोकि गाड़ी चलाने के अनुभव को बेहतर बनाएंगे। यह स्कूटर कई बैटरी विकल्पों और फास्ट-चार्जिंग तकनीक के साथ आएगा, और विभिन्न ग्राहकों की ज़रूरतों और बजट को पूरा करेगा। काइनेटिक ग्रीन ने अपने डिज़ाइन को और बेहतर बनाने के लिए इटली की प्रसिद्ध डिज़ाइन कंपनी टोरिनो डिज़ाइन के साथ साझेदारी की है, ताकि अत्याधुनिक स्कूटर की नई रेंज को साथ मिलकर बनाया जा सके। ये अगली पीढ़ी के स्कूटर बॉर्न-इलेक्ट्रिक डिज़ाइन दर्शन पर आधारित होंगे, जो आकर्षक और युवा स्टाइल के साथ नई दिशा दिखाएंगे। नई डिजाइन लैंग्वे ज खूबसूरत एवं ट्रेंड सेटिंग होगी और युवाओं को पसंद आएगी। इन स्कूटरों का डिज़ाइन और इंजीनियरिंग कंपनी के थॉटफुल इंजीनियरिंग दर्शन पर आधारित है, जिसमें स्मार्ट डिज़ाइन, उन्नत आईओटी कनेक्टिविटी, और आराम, सुविधा व सुरक्षा के लिए कई सुविधाओं का संयोजन किया गया है। यह काइनेटिक ग्रुप की समृद्ध विरासत पर आधारित है, जिसने दशकों तक भारत में स्कूटरों के विकास को आकार दिया है। काइनेटिक ग्रीन ने अपनी गाड़ियां बनाने के लिए इस अनुभव और ग्राहकों की समझ का उपयोग किया है। ये प्रोडक्ट्सय डिज़ाइन, उपयोगिता और प्रदर्शन को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगेद्य टोरिनो डिज़ाइन के साथ मिलकर बनाए जा रहे ये स्कूटर अगले साल बाजार में आएंगे।

गुरु पूर्णिमा पर सतनाम बाड़ा विद्याडीह में ऐतिहासिक आयोजन, सेवादारों का हुआ सम्मान

मुंगेली(समय दर्शन) विद्याडीहगुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सतनाम बाड़ा विद्याडीह में एक ऐतिहासिक और भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन समाज को समर्पित कर्मठ सेवादारों और महिला समूहों के सम्मान हेतु समर्पित था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतनाम बाड़ा के प्रमुख एवं गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बसंत जांगड़े ने की। कार्यक्रम का आयोजन प्रांताध्यक्ष कृष्णकुमार नवरंग के मार्गदर्शन में किया गया।

ध्वजारोहण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ शुभारंभ

परंपरा को नया स्वरूप देते हुए इस अवसर पर पहली बार आषाढ़ पूर्णिमा पर ध्वजारोहण और दीप प्रज्ज्वलन कर गुरु अमरदास जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत दिनेश लहरे जी ने समाज में व्याप्त पाखंड, आडंबर और अंधविश्वास पर प्रबोधन देते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जीवन जीने और गुरु घासीदास जी की मनखे-मनखे एक बरोबर की विचारधारा को अपनाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ वक्ताओं ने रखे विचार- कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मालिकराम घृतलहरे और जेठूराम घृतलहरे ने गुरु अमरदास जी के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि अल्पायु में ही गुरु अमरदास जी ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध कार्य

करना प्रारंभ किया, परंतु समय ने उन्हें अधिक अवसर नहीं दिए। इसके बावजूद उनका योगदान स्मरणीय है और समाज को इसे जानने-समझने की आवश्यकता है।

युवाओं और महिलाओं का विशेष योगदान- युवा चंद्रिका घृतलहरे ने ओजस्वी मंच संचालन करते हुए बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को जोड़े रखा। उन्होंने महापुरुषों के विचारों और कहावतों से सभा को जीवंत बनाए रखा। कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने भविष्य की सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति संकल्प व्यक्त किया। माता सहोद्रा द्वारा किए गए कार्यों को आगे ले जाने और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता भी जताई गई।

गुरु अमरदास जी को समर्पित ऐतिहासिक कार्यक्रम- यह पहली बार हुआ जब गुरु अमरदास जी की स्मृति में इस प्रकार का आयोजन हुआ। इस आयोजन ने सतनाम विचारधारा से जुड़े लोगों में नई चेतना और संकल्प का संचार किया। युवाओं ने गुरु अमरदास जी को समाज के लिए हुई एक अपूर्ण क्षति के रूप में याद किया और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बसंत जांगड़े का मार्गदर्शन और समापन उद्बोधन- सतनाम बाड़ा के संचालक गुरु बसंत जांगड़े ने कार्यक्रम के समापन पर शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंधा क्क ये पाँच बनाएं ज्ञानी और अंधा की उक्ति के माध्यम से बताया कि किस प्रकार ये पाँच तत्व मानव को सकारात्मक या नकारात्मक दिशा में ले जाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी साथियों क्क जगजीवन घृतलहरे, डॉ. जीवललाल घृतलहरे, सुंदरलाल, अशोक जांगड़े, मनोज कुर्रे, राजू कौशल, साधराम कौशल, रामाधार कौशल, रवि शांडिल्य, अजय कुर्रे, अनिल जांगड़े, हुलास गेंदले, दिलमोहन मनोज महिलागे तथा अन्य सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

भोजन वितरण में सहभागिता

कार्यक्रम के पश्चात सामूहिक भोजन एवं खीर वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं और युवाओं ने मिलकर सेवा भाव से जिम्मेदारी निभाई। **कृष्णकुमार नवरंग (समाजसेवी एवं मार्गदर्शक)**

खबर-खास

विकासखंड छुरा के ग्राम पंचायत रसेला में विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनपद पंचायत छुरा के ग्राम पंचायत रसेला में आज विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं ग्रामीण क्षेत्रों को हरित और स्वच्छ बनाना रहा।इस अवसर पर कलेक्टर बी एस उईके जिला पंचायत सीईओ जी आर मरकाम सहित स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण किया।इस अवसर पर कलेक्टर ने वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।साथ ही अपने घर के आस-पास एवं खुले जगह में वृक्षारोपण कर प्रकृति के संरक्षण में योगदान देने की अपील की।उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे एवं वृक्षों से शुद्ध हवा सहित अन्य प्रकार के उत्पाद की भी प्राप्ति होती है। जिससे आसपास का वातावरण स्वच्छ एवं स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहता है। उन्होंने शासन द्वारा संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील करते हुए सभी को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया।विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में एनआरएलएम के महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय सहभागिता रही,जिन्होंने मिलकर 300 से अधिक पौधों का रोपण किया।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणजनों को दी गई।इस अवसर पर सभापति जिला पंचायत गरियाबंद लेखराज ध्रुवा,जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष मीरा ठाकुर,उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी,जनपद सदस्यगण,ग्राम पंचायत रसेला की सरपंच,पंचगण,तथा संकुल संगठन कनसिंघी की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा प्रचार रथ को हरी झंड़ी दिखाकर किया रवाना

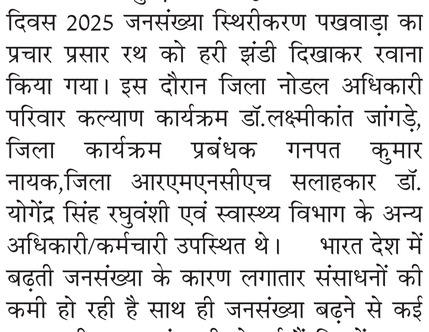

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके के निर्देशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आज परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी डॉ यु.एस.नवरत्न द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस 2025 जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान जिला नोडल अधिकारी परिवार कल्याण कार्यक्रम डॉ.लक्ष्मीकांत जांगड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक गनपत कुमार नायक,जिला आरएमएनसीएच सलाहकार डॉ. योगेंद्र सिंह रघुवंशी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। भारत देश में बढ़ती जनसंख्या के कारण लगातार संसाधनों की कमी हो रही है साथ ही जनसंख्या बढ़ने से कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो गई हैं।जिनमें प्रमुख रूप से गरीबी,बेरोजगारी,महंगाई,स्वास्थ्य और पर्यावरणीय समस्याओं का सामना लगभग हर देश को करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जनसमुदाय को जनसंख्या वृद्धि से होने वाली समस्याओं से जागरुक करने तथा उनसे निपटने हेतु जनसंख्या नियंत्रण के विभिन्न अस्थाई और स्थाई साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रति वर्ष 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस से जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। 11 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित पखवाड़े के दौरान जिले के स्वास्थ संस्थाओं में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।इसमें सास बहु सम्मेलन,पुरुष नसबंदी कैम्प लगाना,गर्भ निरोधक अस्थाई और स्थाई साधनों मुख्यत:आईयूसीडी निवेशन,गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा,छाया एवं माला एन.गर्भ निरोधक गोलियों के सेवन,तथा पुरूष एवं महिला नसबंदी के बारे में प्रचार प्रसार करना और लक्षित दंपत्ति को उपयोग के लिए प्रेरित कर अपनाने हेतु परामर्श देने के साथ छोटे परिवार की महत्ता को विशेष रूप से बढ़ावा देना है।इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को मितानिनों के साथ सभी लक्षित दंपति परिवार में गृह भेट कर उचित परामर्श देने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए हैं।

रानी दुर्गावती चौक में स्वदेशी खादी शिल्प महोत्सव ने पहले ही दिन से धूम मचाई

उत्तम [ालिटी, किफायती दाम

कवर्धा (समय दर्शन)। स्वदेशी खादी शिल्प महोत्सव का भव्य शुभारंभ रानी दुर्गावती चौक में स्थित राज घराना मैदान में गुरुवार को हुआ। प्रदर्शनी में एक ही छत के नीचे कश्मीर से कन्याकुमारी और मणिपुर से गुजरात तक संपूर्ण भारत के विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पाद लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। यह महोत्सव पहले ही दिन से लोगों के बीच में धूम मचा रही है।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के सचिव अनुराग मिश्रा एवं मीडिया प्रमुख श्री दुबे ने बताया कि यह प्रदर्शनी कवर्धा के इतिहास में पहली बार अपनी उत्पादों से लोगों का मन लुभाएंगे। पूरे एक महीने तक चलने वाले इस प्रदर्शनी में एक से बढ़कर एक मनमोहक उत्पाद आपके जीवन में सुविधाओं का विस्तार के साथ ही समाज में आपका मान सम्मान व कीर्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि करेगा। यह प्रदर्शनी सुबह 10.30 से लेकर रात में 10 बजे तक रहेगा। इस बीच आप अपने परिवार व ईष्ट मित्रों के साथ पहुंचकर प्रदर्शनी का लाभ ले सकते हैं।

पत्रकारों से चर्चा में सचिव श्री मिश्रा ने बताया कि खादी से बने कपड़े जहां पहले अधिक उम्र के लोगों की पहचान थी। वहीं अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वोकल फार लोकल और स्वदेशी उत्पादों को विशेष महत्व दिए जाने के बाद से अब युवाओं में भी खादी की मांग बढ़ी है। प्रदर्शनी की मुख्य विशेषता यह है कि यहां बिचौलिए की कोई भूमिका नहीं है। खादी से जुड़े कारीगर स्वयं ही स्टाल लगाए हैं, इसलिए वे नाममात्र की मार्जिन लेकर अपनी उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचा रहे हैं। इस बीच उत्तम क्वालिटी का उत्पाद काफी कम दामों में उपलब्ध है।

प्रदर्शनी में खादी वस्त्रों के साथ साथ लखनवी चिकन, बनारसी साड़ी, फैंसी चप्पल, मुखवास, विभिन्न प्रकार के अचार, जयपुरी कुर्तियां घरेलू साज सज्जा एवं कीचन उपयोगी दर्जनों वस्तुएं सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी खादी महोत्सव में एक ही छत के नीचे आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हाथकरघा एवं हस्तशिल्प के नायाब कलेक्शनों पर 10 से 20 प्रतिशत तक विशेष छूट लोगों को किफायती दामों पर अच्छी क्वालिटी के उत्पाद उपलब्ध कराता है। यहां खरीददारी करने पहुंचे महिलाओं का कहना है कि प्रदर्शनी में एक से बढ़कर एक मन को लुभाने वाली वस्तुएं हैं, जिससे मन को संभालना मुश्किल हो जाता है। लगता है कि ये भी लूं, वो भी लूं। लेकिन बजट से अधिक की खरीददारी हो गई है। अच्छा हुआ ये साथ में हैं, नहीं तो घर में डांट खानी पड़ती।

बोरवेल वाहन के खाई में गिरने से 5 लोगों की मौत, चार घायल

कुकदूर थाना की घटना।

कवर्धा (समय दर्शन)। शहडोल से बेमेतरा जा रही एक बोर गाड़ी के अचानक ब्रेक फेल हो जाने के कारण अनियन्त्रित होकर ग्राम चांटा मोड़ के पास करीब 50 फीट खाई में जा गिरी। इस हादसे में घटना स्थल पर ही 3 लोगों की मृत्यु हो गई और गम्भीर रूप से घायल 6 लोगों में से 2 की सांसे अस्पताल पहुंचते ही थम गई। एडिशनल एसपी श्री पंकज पटेल ने पांच लोगों के मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर में स्थित ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास शुक्रवार की सुबह बोरवेल वाहन क्रमांक टीएन 88 डी 1702 एमपी से बेमेतरा आ रही थी। बोर वाहन ग्राम चांटा मोड़ के पास पहुंची थी, तभी ब्रेक फेल हो जाने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गई और करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरी। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटना स्थल पहुंची और घायलों व शवों को वाहन से बाहर निकाला। सभी घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुकदूर ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया जहां पहुंचते पहुंचते दो और लोगों की सांसे थम गई। मृतकों की पहचान 1. गजेंद्र राम पिता रंगू राम उम्र 30 वर्ष निवासी ठेठे टांगर बरा गजोर थाना कुनकुरी 2. सुभाष राम पिता बलदेव उम्र 25 वर्ष ग्राम बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर 3. हरीश पिता चंद्राराम उम्र 19 वर्ष जाति भुईहर ग्राम बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर 4. देवधर पिता देवभोराम उम्र 45 वर्ष निवासी नारियरढार कोका भरी थाना भन्सानेल जिला जशपुर 5. राज उम्र 50 वर्ष निवासी तिर चूमगोड़ थाना नामकल जिला नामकल तमिलनाडु के रूप में की गई हैं

नवनिर्मित जिला पशु चिकित्सालय का लोकार्पण

गरियाबंद। जिला मुख्यालय गरियाबंद के समीपस्थ ग्राम केशोडार में आज जिला पशु चिकित्सालय का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक राम ध्रुव ने की।अतिथियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नवीन जिला पशु चिकित्सालय भवन का लोकार्पण किया। यह पशु चिकित्सालय 25 लाख रूपये की लागत से निर्मित हुआ है।पशु चिकित्सालय भवन बनने से क्षेत्र के मवेशियों के इलाज एवं बीमारियों के उपचार के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही मवेशियों के उत्तम इलाज एवं देखरेख भी सुनिश्चित होगी।

मुख्य अतिथि राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि गौवंश प्राचीनकाल से ही हमारे लिए आजीविका एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य साधन रही है।जिला मुख्यालय में पशु चिकित्सालय भवन बनने से पशुधन के इलाज एवं सुरक्षा की सुविधाओं में बढ़ोतरी हुई है। इसका लाभ पशुधन सहित किसानों को भी मिलेगा।उन्होंने अपने परिवार में किए जा रहे गौपालन के अनुभव को भी साझा करते हुए कहा कि गौपालन एवं गौसेवा का कार्य अत्यंत पुण्य का कार्य है।गौमाता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है,उनकी सेवा से 33 कोटि देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है।सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है और डेयरी क्षेत्र से जुड़े किसानों की आय बढ़ाने प्रतिबद्ध है। बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने समूचे स्टाफ और विभाग को पशु चिकित्सालय के उद्घाटन पर बधाई दी और कहा कि सर्व सुविधायुक्त पशु चिकित्सालय के निर्माण से यहां पशुओं के उपचार सहज तरीके से होंगे, जो कि यहां के लोगों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है।कार्यक्रम को नगर पालिका गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव व अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया तथा सभी अतिथियों ने नवनिर्मित पशु चिकित्सालय का अवलोकन भी किया।

चिंतन शिविर पर पीसीसी चीफ दीपक बैज का तंज, बोले- 'सरकारी पिकनिक मना रही है बीजेपी', बीजेपी नेता मैनपाट में नैन मटक्का कर रही है

जन न्याय पदयात्रा को लेकर गरियाबंद में की प्रेस वार्ता

गरियाबंद (समय दर्शन)। जन न्याय पदयात्रा में शामिल होने गरियाबंद पहुंचे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने न्यू सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश सरकार और भाजपा पर जमकर हमला बोला।उन्होंने हाल ही में मैनपाट में आयोजित भाजपा के तीन दिवसीय चिंतन शिविर को लेकर तीखा तंज कसते हुए कहा कि चिंतन शिविर के बहाने भाजपा के नेता सरकारी पिकनिक मना रहे हैं और वहां बैठकर नैन-मटक्का कर रहे हैं। जनता की खून पसीने के गाढ़ी कमाई से सरकार मौज मस्ती कर रही है,गाजे बाजे के साथ डांस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा की सरकार ने जनता के हित में कोई काम किया होता तो उन्हें चिंतन शिविर की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन अब जब सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है, तब दिखावे के लिए चिंतन शिविर आयोजित कर रहे हैं। जन न्याय पदयात्रा का उद्देश्य सरकार की नाकामी उजागर करना,,,,,,,प्रेसवार्ता में पीसीसी चीफ ने बताया कि बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र की 14 सूत्रीय स्थानीय मांगों को लेकर युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जन न्याय पदयात्रा की शुरुआत की है। यह यात्रा मैनपुर से शुरू होकर राजधानी रायपुर तक चलेगी, जहां राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि मैनपुर क्षेत्र की जनता आज भी शुद्ध पेयजल,बिजली, राशन,स्कूल भवन और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। जब इन बुनियादी समस्याओं का समाधान सरकार नहीं कर रही,तब मजबूरी में जनता की आवाज़ राज्यपाल तक पहुंचाने के लिए पदयात्रा की जा रही है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि व्यवस्था पर सरकार फेल,,,,,,दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।प्रदेश भर में 10 हजार से अधिक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। युक्तियुक्तकरण के नाम पर 45 हजार शिक्षकों को प्रभावित किया गया है, जिसमें कई महिला शिक्षकों को 200 किलोमीटर दूर स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 卐अतिशेष शिक्षक卐 बताकर बीजेपी सरकार शिक्षकों से वसूली अभियान चला रही है।

कांग्रेस की छह न्याय यात्राएं पूरी, सातवीं यात्रा जारी,,,उन्होंने बताया कि कांग्रेस अब तक प्रदेश में छह न्याय यात्राएं निकाल चुकी है और यह सातवीं जन न्याय पदयात्रा है। इस यात्रा के माध्यम से आम जनता की पीड़ा और सरकार की नाकामी को उजागर किया जाएगा।पीसीसी चीफ ने आगे कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। ऐसे में कांग्रेस हर स्तर पर जाकर जनता को सच्चाई से अवगत कराएगी और सरकार की असफलताओं को उजागर करेगी।

प्रेसवार्ता के दौरान विधायक जनक ध्रुव पीसीसी महामंत्री सकलेन कामदार कांग्रेस नेता शैलेन्द्र साहू युगल पांडेय एवं स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी एवं पदयात्रा से जुड़े कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैं बी माधवी तेलगु (B Madhvi Telgu) पति श्री भास्कर राव औचार (Bhaskar Rao Anchar), उम्र 34 वर्ष, निवासी प्लाट नं. 07, लास्ट बिल्डिंग इनफ्रंट ऑफ आनंद किराना स्टोर, वार्ड नं.- 52. बोरसी दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) , मेरी जन्म तिथि 29/05/1991 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम बोगोलू माधवी (Bogolu Madhvi) एवं जन्म तिथि 29/08/1992, दर्ज है जो कि गलत है। मेरे नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम बी माधवी तेलगु (B Madhvi Telgu) एवं जन्म तिथि 29/05/1991, दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे नाम से शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम बी माधवी तेलगु (क्व रूडुस्रद्ध1द्ब ञ्जद्गद्यद्द्व) एवं जन्म तिथि 29/05/1991, दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। आगे से मेरे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम बी माधवी तेलगु (क्व रूडुस्रद्ध1द्ब ञ्जद्गद्यद्द्व) दर्ज किया जावें।

शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम बी माधवी तेलगु (B Madhvi Telgu) दर्ज करवाना चाहती हूं।

जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-06

Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं. 1736/व.ले.लि./ग्रा.यां. से./2025-26 **दुर्ग, दिनांक 09/07/2025**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	शा.प्राथ. शाला का जीर्णोद्धार एवं तीन अतिरिक्त कमरा निर्माण ग्राम पंचायत हनोदा (शेष कार्य) S.T. No. 171763	24.52

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में **दिनांक 09/07/2025** से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की **अंतिम तिथि 23.07.2025** तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

G-252602127/1

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक- 8

मैनुवल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 18/ लो.क्र.वि./न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025 रायपुर दिनांक 11/07/2025

नगर पालिक निगम रायपुर जोन-8 अंतर्गत निम्मलिखित प्रस्तावित कार्यों के लिए सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्म से आयटम दर/ पीडब्ल्यूडी रोड भवन एसओआर 2015 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 2020 आज दिनांक तक संशोधित दर पर त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवश्यक निर्धारित दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18/07/2025 दिन शुक्रवार सायं 5:00 बजे तक अपूर्ण दस्तावेज का आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।
2. दस्तावेज निरिक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 25/07/2025 दिन शुक्रवार।
3. जोन आयुक्त कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक- 8 मोहबा बाजार रायपुर (छ.ग.) में त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01/08/2025 दिन शुक्रवार सायं 5:30 तक।
4. प्राप्त समस्त पात्र निविदा दिनांक 04/08/2025 दिन सोमवार को प्राप्त 12.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। अपरिहार्य कारणों निर्धारित तिथि पर निविदा नहीं खुलने पर आगामी तिथि निर्धारित की जावेगी कार्य का विविरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि लाख में	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि	एस.ओ.आर	फार्म का प्रकार
1	वीर सावरकर नगर वार्ड क्र.-01 अंतर्गत हीरापुर में नाली पुलिया निर्माण कार्य।	1.00	2000.00	300.00	02 माह	P.W.D. S.O.R. 2015	A
2	प. जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्र.-02 अंतर्गत रिंग रोड क्र-02 हीरापुर चौक समीप पेयजल पाईप लाईन शिफ्टिंग/विस्तार कार्य।	2.86	3000.00	750.00	03 माह	PHE SOR 2020 On Amendment S.O.R. No. 07 2022-23	A
3	रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्र-20 अंतर्गत जोन कार्यालय में दरवाजा खिड़की मरम्मत एवं अन्य संधारण कार्य।	3.00	3000.00	750.00	03 माह	P.W.D. S.O.R. 2015	A
4	संत रविदास वार्ड क्र-70 अंतर्गत शीतला मंदिर सरोना बस्ती के पास बीएसयूपी सरोना में जी.आई पाईप लाईन लिकेज मरम्मत कार्य।	1.23	2000.00	300.00	02 माह	P.HE.S.OR. 2020	A
5	संत रविदास वार्ड क्र-70 अंतर्गत सलासार कॉलोनी के पीछे बी. एस.यूपी सरोना में जी.आई. पाईप लाईन लिकेज मरम्मत कार्य।	0.98	2000.00	300.00	01 माह	P.H.E. S.O.R. 2020	A
6	संत रविदास वार्ड क्र.-70 अंतर्गत गरिमा गृह सरोना (तृतीय लिंग पुनर्वास केन्द्र) में बोर खनन कर टंकी स्थापना कार्य।	2.50	2500.00	750.00	02 माह	PHE S.OR. 2020/ Electrical. S.O.R 2020 & P.W.D. S.O.R 2015	A
7	जोन क्र.-08 अंतर्गत वार्ड क्र-69, 70 में पेयजल पाईप लाईन लिकेज मरम्मत कार्य।	3.50	3500.00	750.00	03 माह	P.H.E. S.O.R. 2020	A
8	जोन क्र.-08 अंतर्गत वार्डों में पेयजल आपूर्ति हेतु पावर पंप क्रय कार्य।	3.86	4000.00	750.00	03 माह	Electrical. S.O.R 2020	A
9	जोन क्र.-08 अंतर्गत वार्ड क्र.-21. 69 एवं 70 में सम्प पंप व बूस्टर पंप मरम्मत कार्य।	3.00	3000.00	750.00	03 माह	PHE S.O.R 2020	A
10	जोन क्र.-08 अंतर्गत वार्ड क्र. 02. 20, 21, 69 एवं 70 में स्थित बोरवेल में फसे पावर पंप निकालने एवं बोर सफाई का कार्य।	4.00	4000.00	750.00	03 माह	ITEM RATE	B
11	जोन क्रं.-08 अंतर्गत विभिन्न वार्डों में पावर पंप निकालने व मरम्मत कर डालने का कार्य।	4.00	4000.00	750.00	03 माह	ITEM RATE	B
12	जोन कं-08 अंतर्गत वार्ड क्र-01 एवं 19 में स्थित बोरवेल में फंसे पावर पंप निकालने एवं बोर सफाई का कार्य।	2.00	2000.00	300.00	02 माह	ITEM RATE	B

निविदा की शर्तें:-

1. निविदा के दस्तावेज बंद लिफाफा में रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट से प्राप्त किया जायेगा। 2 ई. पंजीयन प्रमाणपत्र (जीवित), 3. बैंक साल्वेंशी, 4. बैंक पासबुक की छायाप्रति। 5. GST प्रमाण पत्र एवं GST Retrun (विगत 3 माह) 6. आयकर रिटर्न (विगत 3 वर्ष) तथा 100 रु का स्टाम्प पेपर निविदा जारी होने की तिथि के पश्चात का शपथ पत्र होना अनिवार्य है। 7. निविदा जारी होने के पश्चात से प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक एफ.डी.आर मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत होना आवश्यक है। तथा जो एफ.डी.आर. जीवित होना आवश्यक है। 8. त्री लिफाफा पद्धति में निविदा प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।

2 टीपः- अन्य निविदा की शर्तें एवं जानकारियां कार्यालयीन समय व दिवस में कार्यालय जोन क्र. 8 में अवलोकन किया जा सकता है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-08
नगर पालिक निगम, रायपुर

रेत के अवैध निकासी को रोकने ग्राम बिरकोनी में बिरकोनी-बरबसपुर मार्ग में अस्थाई खनिज चौकी स्थापित

■ 3 पालियों में ड्यूटी लगाई गई

महासमुन्द (समय दर्शन)। खनिजों के अवैध उत्खनन , परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम करने हेतु कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अवैध भण्डारण में कार्यवाही करते हुये ग्राम बरबसपुर, बड़गांव, बिरकोनी एवं घोड़ारी तहसील व जिला महासमुंद मे अवैध भण्डारित रेत को जप्त किया गया है।

जप्त खनिज रेत के अवैध निकासी को रोके जाने हेतु ग्राम बिरकोनी में बिरकोनी-बरबसपुर मार्ग में अस्थाई खनिज चौकी खोला गया है। उक्त खनिज चौकी में 03 पालियों में 06 नगर सैनिको की ड्यूटी लगाई गई है। जिनमें प्रशांत कालू, मनीष ढीढी, मनोज निर्मलकर, संतोष चन्द्राकर, जीवन गायकवाड़, चिंताराम दीवान की ड्यूटी लगायी गयी है।

खनि अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त अवैध रेत भण्डारित क्षेत्र से रेत की निकासी करते पाये जाने पर वाहन एवं अवैध परिवहनकर्ता के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियमन 1957 की धारा 21 के अतंर्गत दण्डात्मक कार्यवाही/02 से 05 वर्ष की सजा हेतु एफ्आईआर दर्ज कर परिवाद दाखिल करने की कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज अमला द्वारा विशेष अभियान चलाकर निरंतर जांच किया जावेगा।

संक्षिप्त-खबर

पाटन में नशबंदी पखवाड़ा शुरू, 18 जुलाई तक जारी रहेगा

पाटन (समय दर्शन)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन में नसबंदी पखवाड़ा का शुभारंभ नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले जी के करकमलों से हुआ। यह नसबंदी पखवाड़ा 11 जुलाई से 18 जुलाई तक चलेगा। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी सभापति केवल चंद देवांगन , पार्षदगण चन्दप्रकाश देवांगन , लोकेश पटेल भाजपा कार्यकर्ता एवम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन के समस्त स्टॉफउपस्थित थे।

साई मंदिर में भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का जीता दिल, धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

दुर्ग (समय दर्शन)। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साईबाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की मंदिर में कतारें लगी रही। मुख्य पंडित कैलाशचंद्र तिवारी के सानिध्य में श्री साई बाबा का महाभिषेक, आरती व हवन-पूजन किया गया। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर में दिनभर भजन-कीर्तन की धुन गुंजायमान रही। दोपहर में साई महिला भजन मंडली कसारीडीह द्वारा भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालू मंत्रमुग्ध रहे। शाम को प्रसिद्ध भजन सम्राट अंकित तिवारी (वैशाली नगर भिलाई) ने श्री साई बाबा पर आधारित भजनों के अलावा अन्य भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। इस दौरान श्रद्धालु अपने आप को रोक नहीं पाए और उन्होने भजनों की धुन में नाच-गाकर अपनी श्रद्धा-भक्ति प्रकट की। इस दौरान श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, शिवाकांत तिवारी, सुरेश साहू, नरेन्द्र राठी, कौशल किशोर सिंह, पूर्व पार्षद राकेश सेन,अजय सुरपाम, दिनेश शर्मा, दशरथ साहू, प्रदेश चेम्बर ऑफकॉमर्स उपाध्यक्ष अशोक राठी, मनोज भूतड़ा के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे।

हाई स्कूल बड़े बचेली में छात्रों की दी गई विधिक सेवा के तहत नालसा आशा एवं अन्य योजनाओं की जानकारी

बचेली (समय दर्शन)। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दंतेवाड़ा के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या दिवस के अवसर पर दिनांक 11/07/2025 दिन शुक्रवार शासकीय उच्च प्राथमिक शाला स्कूल बड़े बचेली में बच्चों को नालसा आशा योजना , नालसा जागृति योजना , नालसा संवाद योजना,के तहत शारीरिक एवं गुड टच बैड टच एवं बाल विवाह अपराध, घेरलु हिंसा के बारे में जागरूकता हेतु जानकारी दी गयी एवं बाल मजदूरी ना करने पढ़ाई लिखाई कर अपना भविष्य प्रेरित करने को कहा गया इसमें साथ ही इस प्रकार की कोई घटना होने पर अपने परिजन को अवगत करा कानूनी सहायता हेतु नजदीकी पुलिस थाना मे संपर्क करने हेतु जानकारी प्रदान की गई जिसमे थाना बचेली से पी.एल.व्ही. रीता चौहान,रंजीता यादव, शुभम यादव, नंदकिशोर नाग शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

8 किलो 411 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी पकड़ाया

गरियाबंद। गरियाबंद पुलिस द्वारा 8 किलो 411 ग्राम मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही थाना छुरा एवं स्पेशल टीम गरियाबंद ने की है। बता दें कि गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध गांजा बिक्री एवं परिवहन को रोक लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किये थे। दिनांक 09.07.2025 को थाना प्रभारी छुरा के जरिये मुखबीर सूचना मिली कि कुछ संदेही अवैध गांजा लेकर पैदल खरखरा जंगल की ओर जा रहे हैं।

आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना व संस्कारों से युक्त पीढ़ियों को गढ़ना जरूरी-पुरोहित

■ बागबाहरा के स शि मं में गुरु पूर्णिमा का अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

■ गुरू पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आचार्यो-दीदीयों को सम्मानित किया गया । आपको बता दें

बागबाहरा (समय दर्शन)। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा. विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर विद्यालय के आचार्यों एवं कर्मचारियों के सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय संचालन समिति के कोषाध्यक्ष रामजी तिवारी थे। अध्यक्षता संचालन समिति की सधारण सभा के सदस्य अनिल पुरोहित ने की। अद्वैत प्रभा मण्डल के किरण छत्रे व गौतम जैन विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों ने महर्षि वेद व्यास, भारत माता, ओम एवं सरस्वती माता के चित्रों पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इसके पश्चात मां सरस्वती की वंदना हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थी भैया बहिनों द्वारा गीत, भाषण एवं कविता के माध्यम से भगवान राम और कृष्ण के जीवन से प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से बच्चों को गुरु के प्रति श्रद्धा और अनुशासन का महत्व समझाया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री पुरोहित ने कहा कि आज शिक्षा का दायरा सीमित हो गया है। आचार्य चाणक्य, रामकृष्ण परमहंस एवं जीजा बाई का स्मरण कर श्री पुरोहित ने कहा कि सशिमं के आचार्यों-दीदीयों को अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना व संस्कारों से युक्त भावी पीढ़ियों को गढ़ने की अपनी महती भूमिका का सतत स्मरण रखना चाहिए। हम अपने प्रयासों से ज्ञान, व्यवहार और विद्याभारती के लक्ष्य को सामने रखकर नई पीढ़ी को अच्छी तरह तैयार कर सकते हैं। विद्यालय के प्राचार्य नन्दूराम निर्मलकर ने गुरु की महिमा और उनके जीवन में महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों को गुरु के पाँच स्वरूपों— जन्मदात्री माता, पालन-पोषण करने वाली धरती माँ, पिता, आचार्य और आध्यात्मिक गुरु के बारे में जानकारी दी और कहा कि जैसे सूर्य उदय होकर संपूर्ण विश्व को प्रकाश देता है और किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करता उसी प्रकार शिक्षक भी अपने ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित करता है और बिना भेदभाव के नई पीढ़ी का निर्माण करता है। विशेष अतिथि गौतम जैन ने गीत के माध्यम से भैया/बहिनों को गुरु की महिमा बताई।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय संचालन समिति की ओर से सभी कार्यरत आचार्यों एवं कर्मचारियों को गणवेश, श्रीफल और पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य नंदूराम निर्मलकर, कार्यालय प्रमुख कौशलचंद्र साहू, समस्त आचार्य बंधु/भगिनी एवं सभी भैया/ बहिन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कन्या भारती अध्यक्ष बहिन पौरवी देवांगन और बहिन साधना देवांगन ने किया।

विकासखंड स्तरीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता भोरिंग में सम्पन्न

■ अनेक खिलाड़ियों का, जिला स्तरीय खेल के लिए हुआ चयन

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद का विकासखंड स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग के संयोजन में आयोजित किया गया। जिसमें अंडर 14, 17,19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी विभिन्न विद्यालयों द न्यू होली फेथ स्कूल महासमुंद, आत्मानंद विद्यालय तुमगांव, नवजीवन मिशन स्कूल तुमगांव, माध्यमिक स्कूल तुमगांव से 85 बच्चे शामिल हुए। आयोजन में ताराचंद वर्मा, नवजीवन मिशन हाई स्कूल तुमगांव, डोलेश होता खेल शिक्षक सेजेस तुमगांव स्कूल, जगदीश धीवर खेल शिक्षक द न्यू होली फेथ स्कूल महासमुंद, डॉ सुनील कुमार भोई व्यायाम शिक्षक हायर सेकेंडरी स्कूल भोरिंग, लिशांशु साहू एवं अभिषेक नेहरू, अभिषेक निर्मलकर, जगदीश धीवर, लिशांशु साहू, पुष्पी शर्मा का प्रतियोगिता संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा। प्राचार्य लोकनाथ दीवान ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को अनुशासित रहकर खिलाड़ी भावना के साथ खेल खेलने के लिए कहां गया। विकासखंड स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गायत्री परिवार और बैलाडीला देव स्थान समिति द्वारा भव्य आयोजन, पर्यावरण संरक्षण और बुजुर्गों का सम्मान

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। गायत्री परिवार किरंदुल और बैलाडीला देव स्थान समिति के संयुक्त तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री राघव मंदिर परिसर में गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर के श्रद्धालुओं की उपस्थिति में वेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव, और वंदनीय माता जी की विधिवत पूजा-अर्चना, आरती, और गुरु महत्व पर ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सेवानिवृत्त परिजनों का सम्मान- गायत्री परिवार से जुड़े NMDC और विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए परिजनों को उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ शाल, श्रीफल, और गायत्री पत्रिका भेंटकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण- पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रादेशिक, व्यवसायिक, और जनकल्याणकारी संगठनों के प्रमुखों, पदाधिकारियों, और बैलाडीला देव स्थान समिति के प्रधान पुजारी पंडित सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनेक फलदार पौधों का विधिवत पूजन और रोपण किया गया।

बुजुर्गों को गुरु रूप में सम्मान - भारतीय संस्कृति में माता-पिता को प्रथम गुरु माना जाता है। इस भावना को साकार करते हुए आयोजन समिति ने नगर के वरिष्ठ नागरिकों को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में सादर आमंत्रित किया। उन्हें तिलक, रोली, पुष्प, अक्षत, और आरती के साथ सम्मानित किया गया। साथ ही, श्रावण मास की बारिश और ठंड से बचाव के लिए बड़े छाते, कंबल, फल, और राशन सामग्री भेंट की गई। विभिन्न संगठनों के प्रमुखों और पदाधिकारियों ने बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजन की सार्थक पहल- गायत्री परिवार और बैलाडीला देव स्थान समिति ने गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान के माध्यम से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस आयोजन को सफल बनाने में बैलाडीला देव स्थान समिति और गायत्री परिवार के अध्यक्ष, सचिव, व्यवस्थापक, पदाधिकारी, सेवादार, मंदिर परिसर से जुड़ी इकाइयों, और विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, जनकल्याणकारी संगठनों के प्रमुखों का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति- आयोजन में ए.के. सिंह, ओम कुमार साहू, प्रकाशचंद जैन, डी.पी. डहारिया, डी.आर. यादव, गुप्ता, राजेश निषाद, कामता प्रसाद डहारिया, खेमेश्वर प्रसाद साहू, भूपेश कुमार साहू, महेश कुमार मल्लाह, कृष्णानंद भंडारी, दिनेश कुमार साहू, राजेश राव, डी.पी. मिश्रा, पार्षद भाई साहब (वार्ड नं. 18), पुलिस विभाग के सिंहा , पलटूराम, पटेल जी (वार्ड नं. 4), गोविंद राम उइके सहित अनेक सेवादार और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेमरिया स्कूल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। आज दिनांक 10 जुलाई 2025को शासकीय प्राथमिक शाला सेमरिया में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शालेय स्तर पर गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीणा वादिनी मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण ,पुष्प अर्पित करते हुए पूजा अर्चना किया गया। मां शारदे की वंदना , श्लोक का वाचन शिक्षको और बच्चो ने एक स्वर में किया ।तत्पश्चात गुरु वंदना की प्रस्तुति हुई ।प्रार्थना सभा के पश्चात शिक्षको के द्वारा गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला गया ।पारंपरिक गुरु शिष्य की संस्कृति पर विस्तृत वर्णन किया गया ।प्राचीन काल में प्रचलित गुरुकुल व्यवस्था एवम् भारतीय संस्कृति पर प्रभाव विषय पर निबंध लेखन कराया गया, बच्चों ने कविता,गीत की प्रस्तुति दी ।अपने गुरुजनों शिक्षको का सम्मान करने के लिए प्रेरक प्रसंग बताते हुए प्रेरित किया गया ।इस अवसर पर पालकगण ,छात्रों की सहभागिता रही ।संकुल शैक्षिक समन्वयक सूर्यकांत हरदेल ने गुरु पूर्णिमा के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए,गुरु की सम्मान करने हेतु प्रेरित किया और सभी उपस्थित सदस्यों को हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं दिए ।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान पाठक मिडिल मिताली दास, प्रधान पाठक प्राथमिक कुलवंतीन चेलक, संतोष कुमार पात्रे, भरत लाल साहू, अनर्जित राय, काशीनाथ सिंह,संतोष मनहर, सावित्री महिलांग,आरती देवांगन, कुलदीप कुमार देशमुख, हेमशंकर देवांगन,सूर्यकांत हरदेल की शाला के समस्त कर्मचारी,छात्रों , एसएमसी सदस्यो,पालकों ,की सहभागिता रही ।इस प्रकार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सफलापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने सावन माह के प्रथम दिवस शिव जी पूजा कर, क्षेत्र वासियों के खुशहाली की कामना की

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिया विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ पर भगवान शिव की उपासना करते हुए समस्त प्रदेशवासियों तथा विशेष रूप से बसना क्षेत्र के नागरिकों को शिव भक्ति, शांति एवं समृद्धि का संदेश देते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कर,क्षेत्र के लोगों की खुशहाली की कामना की ।

अपने आध्यात्मिक संदेश में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा, श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित अत्यंत पवित्र समय है, जो हमें आत्मचिंतन, प्रकृति से जुड़ाव और सामाजिक सौहार्द की ओर प्रेरित करता है। मेरी कामना है कि शिव कृपा से सभी के जीवन में सुख और शांति बनी रहे।

विधायक ने इस अवसर पर धैर्य, एकाग्रता और विविधता में सामंजस्य को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए भगवान शिव के जीवन से प्राप्त शिक्षाओं पर बल दिया। उन्होंने कहा भगवान शिव के जीवन और उनके विविध रूपों से हमें कई गहन और प्रेरक जीवन शिक्षाएँ प्राप्त होती हैं। उनकी सादगी और वैराग्य की जीवनशैली यह संदेश देती है कि सच्चा सुख बाहरी आकर्षणों में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति में निहित है।

उन्होंने आगे कहा कि समुद्र मंथन के दौरान विषपान की कथा हमें यह सिखाती है कि जीवन की कठिन परिस्थितियों को धैर्यपूर्वक स्वीकार कर उन्हें सकारात्मक दृष्टिकोण से पार किया जा सकता है। नटराज स्वरूप, जो सृष्टि, संहार और पुनर्निर्माण के चक्र को दर्शाता है, हमें यह समझाता है कि परिवर्तन जीवन का अनिवार्य नियम है और उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना ही प्रगति की राह है। शिव का पारिवारिक पक्ष माता पार्वती, गणेश और कार्तिकेय,हमें विविधताओं के बीच प्रेम, समझ और सामंजस्य से जीवन यापन की प्रेरणा देता है।

अंततः ध्यानस्थ शिव का रूप हमें मानसिक एकाग्रता, आत्मविवेचन और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक दृढ़ता का मार्ग दिखाता है। भगवान शिव का प्रत्येक रूप जीवन के किसी न किसी पहलू में मार्गदर्शक सिद्ध होता है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे श्रावण मास में भगवान शिव के आदर्शों को आत्मसात करें, और समाज में शांति, भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करें। उन्होंने बसना क्षेत्र के सतत विकास और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27